

→ Geography, शब्द Greek भाषा के Geo + Graphy से बना है।

Geo → भू

Graphy → वर्णन स्वरूप

→ हिन्दू इतिहास (ग्रनारी) ने सबसे पहले पृथ्वी का सबसे पहले वर्णन किया।

→ हिन्दू इतिहास की पुस्तक → जस परिपोडस (पृथ्वी का वर्णन)

→ इस पुस्तक में पृथ्वी की जल और धर्म में बाटौं गया है।

→ शूगोल का पिता father of Geography → हिन्दू इतिहास

→ अवारिष्यत शूगोल का पिता → इरेटोस्थनीज

→ इरेटोस्थनीज ने ही शूगोल का जन्मकुर्जा किया।

↳ इसने सबसे पहले भौगोलिक Geographical विषय का प्रयोग किया।

↳ पृथ्वी की त्रिज्या मापने वाला पृथ्वी का व्याकृति

↳ पृथ्वी की त्रिज्या → 6370 Km या 6371 Km

→ मानविकी का पिता → अनेग्जीमेंटर

↳ मानविकी को बनाने वाला कार्डिग्नाफर हीता है।

↳ पृथ्वी की लंबाई - चौड़ाई से ज्ञात है,

↳ शूर्य पृथ्वी के लिए पड़ी का कार्य भरता है।

→ ग्लोब का पिता → मार्टिन बेदम

↳ 1492 BC में बनाया

↳ आकृति → सेन दे आमर की

SHIV JEET

भूमध्य रेखा:— बहु रेखा जो पृथ्वी को दो समान भागों में बाँटती है।

→ इस रेखा को उत्तरोत्तर या विधुतीय रेखा भी कहते हैं।

→ विषुवतीय ध्रुवीय धारा की लंबाई → 12756 Km

→ ध्रुवीय धारा की लंबाई → 12714 Km

→ पृथ्वी ध्रुवों से चर्पती है।

→ विषुवतीय धारा तथा ध्रुवीय धारा में 42 Km का अंतर है।

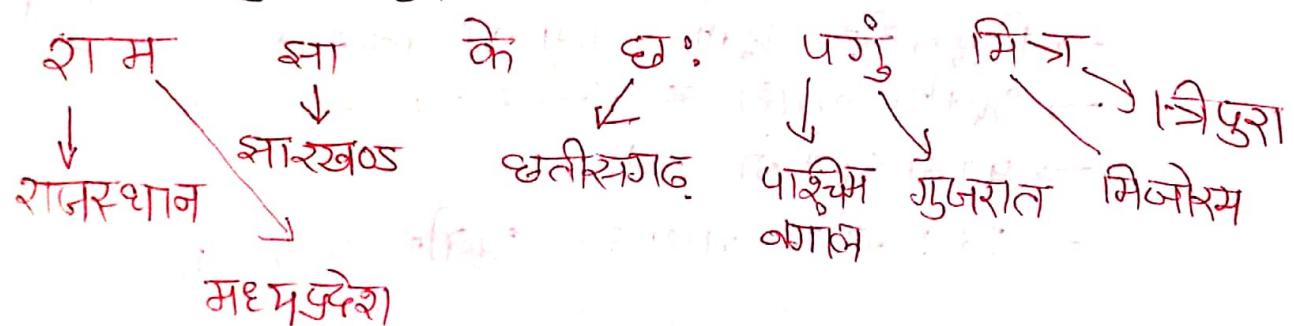
→ भारत का भूमध्य रेखा से 876 Km उत्तर की तरफ है।

## भारत का भूगोल

- भारतीय भूगोल का पिता ज्वे → लेम्स रेनेवाल (इंग्लैण्ड से)
- स्थल → 29% ऊल → 71% है शुमि पर।
- प्रायद्वीप → 3 ओर से धिक्षी हुई शुमि।
- प्राचीन भवय में पोंजिया भज्जे बड़ा महाद्वीप थीता था।
- पोंजिया का अर्ध → संपूर्ण शुमि
- पोंजिया भद्राद्वीप का उत्तरी भाग → लारेंशिया
- पोंजिया भद्राद्वीप का दक्षिणी भाग → गोड़वानालैंड
- भारत प्राचीन समय में गोड़वाना लैंड का हिस्सा था।
- गोड़वानालैंड के उत्तर-पूर्व में जम्बूद्वीप था।
- प्राचीन समय में भारत गोड़वानालैंड के जम्बूद्वीप का हिस्सा था।

### भारत की स्थिति →

- (i) भारत का आंध्राद्वीप विस्तार →  $8^{\circ}4'$  से  $37^{\circ}6'$  उत्तरी गोलार्ध  
संपूर्ण भारत का आंध्राद्वीप विस्तार →  $6^{\circ}4'$  से  $37^{\circ}6'$  "
- (ii) भारत का देशांतरीय विस्तार →  $68^{\circ}7'$  से  $97^{\circ}25'$  पूर्वी गोलार्ध
- भारत का क्षेत्रफल →  $3287263 \text{ km}^2$   
विश्व के कुल क्षेत्रफल का →  $2.43\%$ .
- भारत की जनसंख्या → 121 करोड़ (Accd. 2011, जनगणना)  
बिहार की जनसंख्या का  $17.5\%$ .
- भारत शू-मध्य रेखा से  $876 \text{ km}$  उत्तर में है।
- भारत की प्रादेशिक जल स्थिति तटरेखा से 12 मील दूरी तक है,
- भारत के मध्य से काँक रेखा गुजरती है जो 8 राज्यों से  
दोकर गुजरती है।



→ भारत का मानक समय  $82^{\circ}30'$  पूर्वी देशात्म रेखा से जिम्पा है,  
 → यह समय उत्तर द्रुक्षा के मिर्जापुर के नेबीपुर से जिम्पा है,  
 → भारतीय मानक समय अनिवार्य मैदान टाइम से 5 घंटे 30 मिनट  
 आगे है।

→ भारतीय समय रेखा 5 राज्यों से गुजरती है।  
 - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झाँग उत्तर

[सबसे बड़े देश]

(SHIV  
JEET)

### दोत्रफल

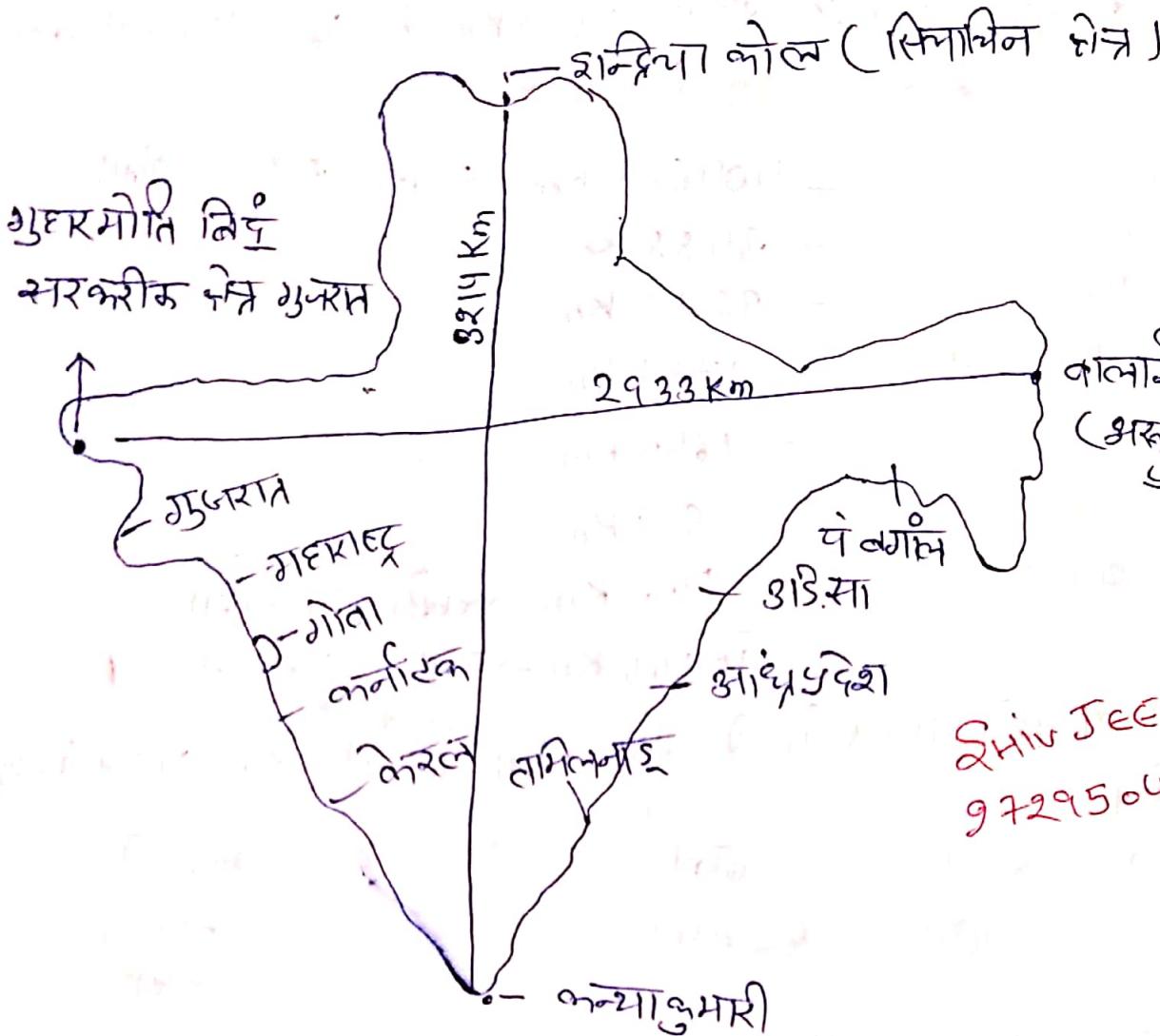
- 1 R - २९८ → सबसे बड़ा १.७१ एकड़।
  - 2 C - ५८८
  - 3 U - अमेरिका
  - 4 C - ८८
  - 5 B - श्रान्ति
  - 6 A - आस्ट्रेलिया
  - 7 I - भारत → ७वां बड़ा देश
  - 8 A - अर्जेटीना
- \* दोत्रफल के आधार पर सबसे  
छोटा देश → वैटिकन सिटी  
५५ हेक्टेयर (१० एकड़.)

### जनसंख्या के आधार पर

- 1 चीन → 131. करोड़।
- 2 भारत → 121.०८ "
- 3 अमेरिका → ३३ "
- 4 इंडोनेशिया → २६ "
- 5 ब्राजील → २१ "
- 6 पार्किस्तान → १८ "
- 7 नाइजीरिया → १७.५ "

→ विश्व की सबसे कम जनसंख्या  
वाला देश → वैटिकन सिटी  
१००० केवल दुरुष

- उत्तर प्रदेश की जनसंख्या ब्राजील के समान है  
 → विश्व में सबसे ज्यादा मुस्लिम प्रतिशतता वाला देश  
 → वर्तमान में राज्य → २८ → इंडोनेशिया
- वर्तमान में केन्द्रशासित प्रदेश → १  
 ↳ जम्मू कश्मीर व लद्दाख जैसे केन्द्र  
 शासित प्रदेश भी हैं।



इन्द्रिया लिंग (अडमेन निकोहर)  
(पिंगोनियन पाइट)

- भारत की पूर्व से पश्चिम दूरी → 2933 Km
- " " उत्तर से दक्षिण दूरी → 3214 Km
- भारत की ऊल सीमा → 22716.6 Km

तटीय सीमा

7516.6 Km

उच्चलीय सीमा

15900 Km

- मुख्य भारत की तटीय सीमा → 6100 Km
- मुख्य भारत की १ तटीय सीमा २ राज्यों से लगती है
- राज्यों लंबी तटीय सीमा ओमांगा → गुजरात 1663 Km
- राज्यों कम ॥ ॥ ॥ ॥ → गोवा 101 Km
- दक्षिण भारत के दुसरा लंबी सीमा → आंध्र प्रदेश 974 Km

→ संपूर्ण भारत की सबसे आधिक तटीय सीमा → अंडमान निकोबार  
 → भारत की कुल कृष्णकीय सीमा 15200 Km के ल्हुड़े. पड़ोसी देश  
भारत के पड़ोसी देश → ८

ब - बाह्लंदेश	- 4096.7 Km → सबसे आधिक सीमा
प - चीन	- 3488 Km
प - पाक	- 3323 Km
न - <del>भारत</del> नेपाल	- 1751 Km
म - म्यांमार	- 1643 Km
झ - भूटान	- 699 Km
आ - अफगानिस्तान	- 106 Km → सबसे कम सीमा

15106 Km → गृह मंत्रालय ने 2013

→ किसी भी दो देशों या राज्यों के बीच सीमा का नियरिंग गृह मंत्रालय द्वारा होता है।

बाह्लंदेश :- राजधानी :- ढाका राज्यीय रेल :- जबड़डी  
 मुक्ति :- टका शसंद :- भातीय शसंद

भारत के राज्यों के साथ सीमा :-

त्रिपुरा :- बाह्लंदेश से तीव्र ओर से छिरा हुआ

→ त्रिपुरा व बाह्लंदेश के बीच वृन्ध देखा।

पश्चिम बंगाल → बाह्लंदेश के साथ सबसे ऊँची सीमा

मेघालय →

असम → इसका प्रतीक नाम "कामरूप" ददा है

विकाद :- तीन बीघा गलिपारा विकादः

→ न्यूम्बर फ्रीप विकादः (बर्गोल की खाड़ी में है)

→ दाल दी में भारत का अद फ्रीप इव्व-पुका है

→ फरक्का बैराज (छिबोथ) विकादः -

↪ अद गाँव नदी पर बना है।

2 चीन :- राजधानी :- बीजिंग राष्ट्रीय खेल :- ट्रेलर - ट्रेनिंग मुक्त उपचान | रेन मिनी संसद उन्नेशनल वीपूल्स कार्डेस

भारत के राज्य :-

(i) जम्मू-कश्मीर → सबसे लंबी सीमा

(ii) हिमाचल

(iii) उत्तराखण्ड

(iv) सिक्किम

उमरुकोट उपचान → पुराना नाम नेपाल

विवाद :- (i) स्ट्रेपल विला विवाद

(ii) डोकलाम वा डीमलाम विवाद → भूटान का वाहर

(iii) Axai चीन विवाद | LAC विवाद | लास निशांग विवाद

LAC :- Line of Actual Control

→ अंकसाई चीन 1962 में भारत-चीन युद्ध में छला किया गया भारत का ज्ञेन्त्र।

→ भारत में पहली बार 1962 में पहली बार दोषीय आपातकाल लगा।

3 पाकिस्तान :- राजधानी :- इस्लामाबाद राष्ट्रीय खेल :- हाँकी

मुक्त :- पाकिस्तानी रूपमा शंसद उन्नेशनल असेंबली

मजलिस - P सुरा

भारत के राज्य :- (i) गुजरात

(ii) राजस्थान → सबसे लंबी सीमा

(iii) पंजाब → सबसे छोटी सीमा

(iv) जम्मू-कश्मीर

विवाद :- (i) सिन्धु नदी अल्प सम्झौता → 1960

20% 80%

भारत पाक

→ बढ़ते हुए पाकी की धूनिट → क्षयोक

२ भरकरीक विवाद :- भविष्य में बेद्दों लियम पाए जाने की सम्भावना को लेकर

→ पास्तिस्तान इस विवाद के लिए  $24^{\circ}$  समानांतर रेखा को मानता है।

→ भारत व पास्तिस्तान को पानी में अलग करने वाली रेखा

३ सियाचिन गलेशियर विवाद :- -  $24^{\circ}$  समानांतर रेखा

→ जांपरशान में घटक १९४५ई में भारतीय सेना द्वारा पाक सेना को खेड़ने के लिए सियाचिन ज़िले में चलाया

→ विश्व का सबसे ऊँचा घुँच स्थल → सियाचिन

→ विश्व में सफेद पानी सियाचिन को छी बढ़ते हैं।

४ LOC | POK विवाद :-

LOC - Line of Control

POK - Pak Occupied Kashmir

→ राजधानी → मुजाहिदाबाद

→ LOC रेखा दोनों देशों के बीच ३ जुलाई १९७२ई को द्वारा शिमला समझौते के अंतर्गत आया है। रियर्सी गई।

नेपाल :- राजधानी :- जाठमाङ्ग

मुद्रा :- नेपाली रुपया

संसद :- राष्ट्रीय पंचापत

खेल :- दिडि वीथो (थुल्ली)

→ २०१८ में इसे डॉलर वॉल्डर बना दिया।

भारत के राज्य :-

(i) उत्तराखण्ड

(ii) उत्तर प्रदेश

(iii) बिहार

(iv) पंजाब

(v) सिक्किम

खेल :- छिन्नलोध

मुद्रा :- क्यात

म्यांमार :- राजधानी :- नेपालताल

(कर्म-रेंजन) संसद :- अय्यु द्वारा

भारत के राज्य :- असामाञ्ज्ञ प्रदेश →

नागालैंड

मणिपुर

गिजोरम → सबसे ज़र्की सीमा

[ चिप्रा की म्यांमार के साथ सीमा नहीं खाती। ]

६ शुराघ :- इसे बफर पड़ोसी की स्त्री का जाता है,

शजदानी :- विम्फू

सर्स :- तसोगंडू

मुक्का :- ग्लूलट्रम

खेल :- आश्चेरी (तिरदोंजी)

भारत के राज्य :- सिक्किम

पश्चिम बगाँल

आसाम → शब्द से लंबी सीमा

Shiv JECT

अस्साचल प्रदेश - (नेपा)

उ अफगानिस्तान :- शजदानी → चानुल सर्स :- छोका

खेल → खुम्काबी मुक्का :- अफगानी

→ भारत का एकात्र राज्य उम्मीद-कुर्मीर इसके साथ सीमा बनता है

÷ Note :-

→ भारत व अफगानिस्तान के बीच सीमा का निर्धारण मैक्गोद्दं रेखा

करती है, जो 1915<sup>ई</sup> में खिंची गई।

→ भारत व पाकिस्तान के बीच सीमा का निर्धारण ट्रेडम्सिप रेखा

करती है, जो 15 अगस्त 1947 को खिंची गई।

→ भारत की आजाही के बाद आजाह देने वाला देश

→ म्यांमार - 4 जनवरी 1948

→ म्यांमार व भारत प्रवाल्यम से पदार्थों द्वारा एक-दूसरे को

छुल्णा करती है।

→ पाकिस्तान व अफगानिस्तान के बीच इर्दं रेखा है।

७ गीलको :- शजदानी :- गोलबों (वर्तमान - खेल :- वॉलीबॉल

सर्स :- शर्स

जयेवर्धनम्  
जोर)

मुक्का :- गीलको रूपया

→ भारत व गीलको के बीच मनार की खाड़ी है,

→ इस खाड़ी में मोती पाए जाते हैं

→ गीलको व भारत एक दूसरे पाक जल सांचि या जल

इमकमध्य द्वारा एक दूसरे को अलग करते हैं,

→ भारत और गीलको के बीच सावध का पुल है, जिसे शाय

भेतु पुल भी कहते हैं।

**कौनसा राज्य की दुर्विधा के चार बड़े राज्य →**

**राजस्थान > मध्यप्रदेश > मध्याख्यात, आंध्रप्रदेश**

**Note** पांडिचेरी एक ऐसा केन्द्रशासित प्रदेश है जो वीना राज्यों में फैला।  
→ वर्तन द्वीप भारत का एकमात्र साक्षिय ज्वाला मुखी है जो मध्य अंडमान के द्वीप थाग में स्थित है।

→ १०<sup>०</sup> चैनल अंडमान को निर्मितार से अलग करता है।  
→ २००८ चैनल → निर्मितार स्थि सुमात्रा (इण्डोनेशिया) के मध्य है।  
→ ४०<sup>०</sup> चैनल → मिनीकाश स्थि मालवीय के बीच है।  
→ १००<sup>०</sup> चैनल → मिनीकाश जो भुख्य लोहद्वीप से अलग करता है।  
→ भारत के १७ राज्य पड़ोसी देशों की स्थानिय सीमा से छुटे हैं।  
→ ऐसे राज्य जो न तो किसी दूसरे देश से सीमा बनाते न ही समुद्र लीस्टा नहीं जब विवाद भारत और गंधिलादेश के बीच है।

SHIVJEET  
9729504909

## भारत में नदियाँ

### १ सिंधु नदी तंत्रः

सिंधुः - सिंधु का उद्गम झोपत तिब्बत में मानसरोवर शीब के निकट से है,

→ सिंधु चिल्लास के निकट पाकिस्तान में छवेश जलती है,

सहायक नदियाँ :- खेलम, चिनाब, रावि, घास, सतलुज

→ घास एसी नदी है जो भारत में ही सतलुज से भिन्न सर पाकिस्तान जाती है, बाकि की नदियाँ सिंधु में पाकिस्तान जाकर भिन्नती हैं।

खेलमः - सिंधु की सहायक नदी है,

→ पाकिस्तान के शांग के निकट चिनाब में मिलती है,

चिनाब :- चन्द्रा और शामा नामक दो सरिताओं से भिन्नकर बनी हैं

→ चिनाब सिंधु की साकरों बड़ी सहायक नदी है,

रावि :- हिमाचल धरेश के छत्त्व पटाहियों के बोहतांग दर्ते के भीषण से निकलती है,

→ यह चिनाब की सहायक नहीं है,

→ शावि धोलाधर और पीरपंचाल के बीच के पानी को बदाकर जाती है।

घास :- शोहतांग दर्ते के निकट घास दुर्ग से निकलती है।

→ हरिते नामक स्थान पर सतलुज में भिन्न जाती है,

→ दीनों के संगम हरिते बैराज से भारत की सबसे लंबी नदी "रामेश्वरा गांधी नदी" निकलती है।

सतलुजः - मानसरोवर के निकट राक्षसताप (तिब्बत) से निकलती है,

→ यह एक श्रवकी नदी है, जो हिमालय को काटकर शीप मीला दर्ता से होकर भारत में छवेश जलती है।

• सिंधु नदी तंत्र से लुड़ी परियोजना :-

भारतीय नांगल परियोजना :-

→ सतलुज नदी पर भारतीय और नांगल के जगहों पर बोधी काचा गमा है,

→ इसका लाभ दरियाणा, पंजाब, शानस्थान और हिमांचल प्रदेश को मिलता है।

२ इंद्रिया गांधी परियोजना आरोग्यस्थान ०१८२०

प्रारंभिक सत्याग्रह के संगम पर स्थित 'दरिके नीराज' से बिंदिरा गांधी नदर निकली गई है। यह संसार की शब्दसे ज़्यादा नहीं है।

३ पोर्ट फरियोलगा ०. यह व्यास नदी पर है।

੫ ਅਮੇਰਾ ਪਾਰਿਯੋਜਨਾ :- ਯਹ ਰਾਕਿ ਨਦੀ ਪਰ ਵੇ

५ संभाल परियोजना के अन्त में चिनाव नदी पर जम्हुरीता

६) हुम्भुल परियोजना :- इसको निर्माण कोभम नदी पर जम्हर - क्षेत्र में है।

→ पुलर ईम पर बॉथ बनाने के लारण इसे पुलर ब्लेंडर परियोजना में किया गया है।

## हार्दिक नदी

गांगा नदी तत्त्व

गांगा ३ द्रगम → ३ तराखाल के उत्तरकाशी में गोमुख के निकट 'गंगोत्री हिमनद से है। यहां इसे आगीरवा के नाम से जाना जाता है।

देवप्रयाग - मार्गिरथी नदी व अलंकन्दा के संगम को देवप्रयोग कहा जाता है। पहां पर इसे गँगा नाम से जाना जाता है, जो कि नदी गँगा है।

सदाचारक नहिं हैं। जो उद्गम स्थल सतोपर्य हिमनि है,

उत्तर का भार से भूतने वाली दृष्टियक नदियाँ  
 → रामगंगा, चरनाली (धाघरा), ताप्ती गंडक  
 कोशी

→ दक्षिण पठार से कोशी नदी बहती है।

→ पमुना :- पमनौती हिमाद से निष्पत्ति है।  
→ खट, गर्गा के विषय में है।

→ ਅਦਿ ਗੁਰੂ ਵੇ ਆਖਣ ਕੀ ਰਾਹੀਂ ਹੈ।

→ यह गर्गी में उत्तरपूर्वोक्त के बलाटबाद के गोलनी हैं, जिसे कुपारा राज कहते हैं।

→ ३) हरयाणा का जल जलते हैं,  
सर्वोत्तम लांबी नदी है, ~~22~~ 2525 km है। यह शाक्त की

- मध्य गंगा का आरम्भ सहायता नदी है।
- गंगा को बाहुल्यादेश में पदमा नाम से जाना जाता है। जब अद्वितीय गंगा की खाड़ी में गिरती है तो इसे मेघना कहते हैं।
- गंगा व श्रीमपुर्ण मिलकर उसे विश्व के सबसे बड़े डेल्टा शुद्धकरन डेल्टा का निर्माण होता है।
- दक्षिण से मिलने वाली स्त्रीमात्रा नदी भी है।
- पश्चिम गंगाल में गंगा मार्गीरथी और हुगली नामक दो धाराओं में बट्टा जाती है।
- दामोदर हुगली की सहायता नदी है।

Shiv

- पश्चिम:- गंगा की सबसे लंबी राष्ट्रापक नदी है।
- गंगा-पश्चिम गंगा इत्यादिनाद भी होता है।
  - पश्चिम गंगाल में गंगा गंगोत्री हिमाली से निकलती है, राष्ट्रापक नदियाँ अमृतल, सिंधु, वेतवा, केन।

- पश्चिम:- गंगा में दाहिने ओर से मिलने वाली किंवद्दुख नदी।
- यह अपनी "उत्थात श्वामि" के लिए जास्ति है।
  - बनास, काली सिंधु एवं पर्वती चम्बल की सहायक नदी हैं।

- केन नदी:- मध्यहुतेश के शत्रु अल्ले में स्थित केन्द्र की पष्टाडियों से निकलती है। बाढ़ी के निकट पश्चिम में मिल जाती है।

- सोन नदी:- गंगा में दाहिने ओर से मिलने वाली जमुख नदी है।
- यह अमृतल की पष्टाडियों के पास से निकलती है।
  - इस नदी की देत में सोने के कण पाए जाते हैं इसीलिए इसे स्वर्ण नदी कहा जाता है।
  - यह पट्टना में गंगा से मिलती है।

- दामोदर नदी:- इसे पश्चिम गंगाल का रोक कहा जाता है।
- इस नदी के ज़िरो धनबाद ओर कुर्मापुर बसे हैं।

- गोसीनदी:- यह नदी गोसाईथान चोरी के उत्तर से निकलती है।
- यह नदी अपना मार्ग बदलने के लिए जास्ति है।
  - इसे बिहार का शोक कहते हैं।

- मध्यानदी:- दार्जाली में पष्टाडियों से निर्मित बाढ़ तट पर गंगा में मिलने वाली गोसीनदी नदी है।

→ गंगा नदी तर्ज से लुड़ी बिहार परियोजना है।

### टिहरी परियोजना :-

→ टिहरी बांध का निर्माण श्रीलग्नी के भवीति के शांम और टिहरी बांध स्थान पर बनाया गया है,

कोसी परियोजना :- यह बिहार और नेपाल की संयुक्त परियोजना है।

रिहन्द परियोजना :- यह उत्तरप्रदेश की प्रमुख परियोजना है। इसका

लाभ बिहार व मध्यप्रदेश के भी होता है।  
इस परियोजना में जलाशाला का निर्माण उत्तर प्रदेश और धूतीसाठ, की सीमा पर किया है, जिसका नाम "गोविंद वन्नलश सागर पंत" है।

दामोदर धारी परियोजना :- यह भारत की पहली 1948 बहुउद्देशीय

नदी धारी परियोजना है। इस परियोजना का मौड़ल संयुक्त राज्य अमेरिका के टेन्स नदी पर धारी परियोजना पर आधारित है।  
दामोदर को बंगाल काशीक जहा जाता है,

→ श्रद्धमपुत्र नदी तर्ज :-

श्रद्धमपुत्र :- उद्गम मानसरोवर के निकट से

→ तिलत में इसे संगमो जहते हैं।

→ असम में इसे दिवंग जहते हैं,

→ असम में यह नदी विश्व का सबसे बड़ा नदी है।  
**माझुली द्वीप** बनाती है, तथा विश्व का सबसे छोटा नदी है।

→ यह भारत की सबसे लोडी नदी है,

→ भारत में इसकी लंबाई 915 km है

→ धुबरी के निकट श्रद्धमपुत्र नाहाड़ेश में प्रवेश करती है,

→ बाह्लादेश में श्रद्धमपुत्र को जमुना के नाम से जाना जाता है।

→ यह असुण्डाल भृत्य से भारत में प्रवेश करती है।

→ यह गंगा के साथ मिलकर विश्व के अवस्थे बढ़े।

**उत्तर सुदूरवन उस्ता** का निर्माण करती है।

→ जब गंगा व श्रद्धमपुत्र मिलती है तो इसे मेपना जाता है।

० ब्रह्मपुर्ण से खुड़ा नदी पारा पास्पाजनार् ॥

१ लोकटक जल विधुत परियोजना → मानिपुर

२ तपाईं मुख जल विधुत परियोजना → मानिपुर

३ शंगीन जल विधुत परियोजना → असामिङ्ग

४ पाकी जल विधुत परियोजना → अखण्ड भृत्या

SHIV.

### ५ प्राचीनीय भारत की नदियाँ :-

→ भारत प्राचीनीय नदियों जो कारब शागर में मिलती हैं प्राचीन

एश्युरी नो निर्माण करती है। ऐसे → नर्मदा, ताप्ती।

→ बहाल की खाड़ी में जो महिंद्रा नदियाँ देल्ही नो निर्माण करती हैं। गोदावरी, कृष्णा, कावेरी इत्यादि।

गोदावरी :- दक्षिण भारत की सबसे लंबी नदी है।

→ आकर शौर आयु के कारण इसे "दक्षिण की गंगा" भी हृष्ट गंगा कहते हैं।

→ यह मध्यराष्ट्र के नासिर ज़िले में अम्बान नामक जगह से निकलती है।

सहायक नदियाँ :- इद्राक्षती, माबहिता, पुर्णा, हुद्धना, मंजरा, आदि।

कुषाण - पूर्व की ओर बहने वाली थास की दूसरी बड़ी प्राचीनीय नदी है। नागर्जुन बांध इसी पर बना है।

→ यह महाबलेश्वर के निकट से निकलती है,

सहायक नदियाँ :- हुंगभन्ना और भीमा।

कावेरी :- यह कर्नाटक राज्य के कुर्ज ज़िले की ब्रह्मगिरि पठाउड़ियों से निकलती है, इसे दक्षिण भारत की गंगा भी कहते हैं।

→ शिवसमुद्रम जल प्रपात इसी नदी पर है,

→ कावेरी जल विवाह तामिलनाडु के नर्वारिक के नीचे है।

सहायक नदियाँ :- हेमावती व देवंगी।

महानदी :- यह अमरकर्ण के सिंधा शे निकलती है।

- इस नदी पर भारत का स्वातंत्र्य लना बाध्य हिंदुओं द्वारा बाध्य इसी पर उड़िसा मे जना है।
- सदायक नदीयों → शिवनाथ, तेल

नर्मदा :- यह मध्यभूदेश्वर मे अमरकर्ण पदार्थी से निकलती है,

- इसी नदी के द्वारा गुजारात जल प्रपात का निर्माण किया गया है।

→ इसे गुजरात की जीवन रेखा बहा जाती है।

माणी नदी → यह विन्ध्याचल पर्वत के पश्चिम मे भेष्य कील से निकलती है।

- यह एक देखा को दो भार काटती है।

शान्त मति :- राजस्थान के उदयपुर जिले की अरावली ऊरी से निकलती है।

- अष्टम दग्दाद इसी नदी के छिरे स्थित है।

लुणी नदी :- राजस्थान के अजमेर के दक्षिण-पश्चिम मे नागपट्टी से निकलती है।

- यह कर्त्तव्य के दोनों मे विलम्बीन दो जाती है।

शारावती नदी :- बर्नाट के शिमोगा जिले से निकलती है।

- प्रसिद्ध गरसोपा (जोग) जल प्रपात इसी नदी पर है।

पेरिचार नदी :- अन्नामलाई मे पदार्थी से निकलती है।

- यह कर्त्तव्य की शब्द से लंबी नदी है।

## ० नदियों से जुड़े महत्वपूर्ण घटना ०

- सिंधु नदी जल समस्याएँ १९६० में पं. जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के साथ किया।
- परना गंगा, सोन व गाँड़ी नदी के किनारे बसा है।
- नर्मदा व ताप्ती दोनों अखं सागर में मिलती है।
- नर्मदा व ताप्ती दोनों सतपुड़ा त्रि पदातिशों के बीच है।
- रिफर (द्वेषी) घाटी से गुजरने वाली दो नदियाँ नर्मदा व ताप्ती हैं।
- धुआंधार जल उपात नर्मदा नदी द्वारा जबलपुर मध्य भृगु बनता है।
- सतलुज, सिंधु व ब्रह्मपुत्र ऐसी नोकियाँ हैं जो भारत में हिमालय के पार चरके छवेश्वर चरती हैं।
- गीरांग पठनम कावेरी नदी के किनारे बसा है।
- गंगा नदी पूर्णवर्ती अपवाह का उदाहरण है।
- बद्रीनाथ का मंदिर अलकनंदा नदी के किनारे है।
- अंतर्रष्ट्रीय नदियों → गंगा, सिंधु व ब्रह्मपुत्र, मङ्गल, गांडक,
- नर्मदा नदी डेल्टा का निर्माण नहीं करती।
- नर्मदा जैसी अंतर्रष्ट्रीय घाटी से दोकर बहती है।
- दाल दी में केन व बेतवा को जोड़ने का प्रयास किया जाता है।
- सकोश नदी असम व पाकिस्तान बांग्लादेश के बीच सीमा बनाती है।
- लुग्नी नदी भूमि बंधित नदी है।
- सतलुज नदी हिमालय की सभी श्रीवियों को जारी है।

SHIV JEGT

## ९ विभिन्न नदियों के निरे बसे पुस्तकालय

० शहर		शहर	
गीनगर	→ नदी	पिरीजपुर	→ नदी
जम्मू	→ शेखम	धरिहार	→ सतलज
बड़ीनाथ	→ शबि	डिष्ट्रिक्ट	→ गंगा
आगरा	→ अलखन्दा	गुदावाई	→ ब्रह्मपुर
इलाहाबाद	→ यमुना	जबलपुर	→ प्रद्युम्ना
जानपुर	→ गंगा व यमुना	फटक	→ नर्मदा
विजयवाड़ा	→ गंगा	नासिच	→ गोदावरी नदी
उज्जैन	→ खड्डा	वार्षा सी	→ गंगा
आयोध्या	→ हिमा	लुधियाना	→ सतलज
कोलकाता	→ सरयू	जीनपुर	→ गोभती
नासिच	→ दुग्धनी		
अहमदाबाद	→ गोदावरी		
गोरखपट्टनम्	→ सावरमती		
न्यूयार्क	→ कोकी		
पेरिस	→ इंडसन		
सुरत	→ सीन		
मुख्यनगर	→ लाली		
पट्टना	→ गोमती		
कोटा	→ गंगा, सोन, गंडक		
दिल्ली	→ यमुना		
हैदराबाद	→ भूसी		
मध्यपुर	→ यमुना		
जगदीशपुर	→ स्वर्ण रेखा नदी		
बड़ेली	→ रामगंगा		

## बारत की प्रमुख झीलें :-

→ झीलों के अध्ययन की Limnology (लिम्नोलॉजी) जाते हैं।

जम्मू कश्मीर :- पावूलर झील → भारत में सबसे बड़ी भीड़ पानी की झील है।

(i) बेरिनाग झील

(ii) शोष्णाग झील

(iii) अनंतनाग झील

(iv) नगनिंग झील

(v) डल झील → इस नदी में शिकारा चलते हैं।

SIR JEET

उडिसा :- (i) चिलका झील

भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की लेंगून झील

मणिपुर :- लोकटुंड झील → कैथललमजाओ नमुक रहता हुआ

उत्तराखण्ड :- (i) देवताल

(ii) नेनीताल

(iii) खुरपाताल

(iv) सातताल

(v) शक्षमताल

(vi) मीलताल

राष्ट्रीय पार्क इसी नदी में है।

(vii) नोकुआच्छियाताल झील

मध्यराष्ट्र → लोधार झील → जवाला। मुख्यी 86 गार रो नदी झील  
सिक्किम → चोलामू झील → भारत की सबसे ऊर्ध्वांश पर स्थित झील  
आधुनिक उद्देश्य तोमेजनाह → पुलिकर

केरल :- बेम्बनाड झील → भारत की सबसे लंबी झील

→ अच्छमुदी झील → वेलिहरन ईप इसी झील में स्थित है। (जिरामि भारत का सबसे छोटा राजमार्ग NH 47A है।)

राजस्थान :- भांडर झील → भारत की सबसे बड़ी ज्वास्थवीम खारे पानी की झील

→ जग्यसमंद झील

→ फ्लेड्सगर झील

→ पिघोला झील

→ पुष्कर झील

→ उज्ज्वाला झील

Note :- भारत की सबसे बड़ी मानव निर्मित घनिश्चील वर्ष वेल्लथपति सागर झील UP में रिहव्व भड़ी पर है।

## → भारत के मुख्य जल-प्रपात

जल प्रपात	नदी	ऊंचाई
जोग घाटकोपा	वरावती नदी	२५५ मीटर
थेना	नर्मदा	१८३ मीटर
शिवसमुद्रम्	कावेरी	१० मीटर
गोकुच	गोकुच	५५ मीटर
प्रालिया	भम्बल नदी	१८ मीटर
पुनासा	भम्बल नदी	१२ मीटर
धुआंधार	नर्मदा	१० मीटर
हुड्डू	वर्णविश्वनदी	७५ मीटर
बिहार	होसँ नदी	१०० मीटर

## → भारत में सिंचाई ?

→ विश्व का सर्वाधिक संस्थित नेत्र चीन (२१.०.) स्वं भारत में २०.२% है।

→ वर्तमान समय में कुछों एवं नज़दीक भारत में सिंचाई का प्रमुख साधन है।

→ देश में सर्वाधिक नल इप व पम्पसेट लमिलमाइंड में १४% पार जाते हैं। मदराष्ट्र दूसरा स्थान ले रहा है।

→ केवल नल इपों की सघनता के सारांज्य → U.P.

→ प्रायद्वीपीय भारत में सिंचाई का प्रमुख साधन - तालोन

→ भारत में GDP में १५.५% का भाग है।

→ गोवा, मदराष्ट्र व राजस्थान में कुओं हारा सिंचाई की जाती है।

→ सारांग सिंचाई नदर गांडक नदी से निकली गई है।

→ शन्दीश गांधी नदर हरिके बांध से निकलती है।

→ भारत की सिंचाई क्षमता का ५७.८४% लघु एवं वृद्ध योजनाओं से प्रा दीता है।

→ ब्रिवारी नदर में गांडक नदी से पानी आता है।

भारत के दक्षिण पठार में अत्यधिक असंचित खेती की जाती है।

विश्व में बर्से उत्तराखण्ड में भारत का दूसरा स्थान है।

- पीस क्लोज का संबंध कृषि सम्बोधन से है।
- उलू कॉम्प्स जो संबंध कृषि सेक्टर सप्लाइ से है।
- किसान कॉम्प्स सेक्टर की ड्रुक्श्यात अटल बिहारी वाजपेयी ने की
- 16 अक्टूबर को किंव खाद्य दिवस मनाया जाता है,
- राष्ट्रीय बागवानी मिशन 2005 में सुरु हुआ।
- राष्ट्रीय कृषि बानियों की अनुसंधान केन्द्र ⇒ इंडिया (उत्तर प्रदेश)
- भारत सरकार ने 1983 में राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद को गठन किया।

Shiv GET

## ÷ [भारत की कृषि] ÷

- भारत में कुल जीवनभूमि के 51% भाग पर कृषि की जाती है।
- 40% आगे चरणाद, 21%. शूमि पर वह तथा 25%. शूमि बंदर घा बिना उपयोग की है,
- कृषि शास्त्र का विषय है इसका वर्णन संविधान की अनुशूलन में है,
- भारत के दृष्टिकोण से खाद्य मंत्री → डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- देश की कुल कृषि योग्य भूमि के 15% पर गोद्धु उगाई जाती है
- भारत में खाद्यान्नों में आने वाले कुल जीवनभूमि के 47% आगे पर चालन की कृषि मी जाती है,
- किंव में गोद्धु उत्पादन में भारत का पनि के बाद दुसरा स्थान है।
- भारत किंव का 12% गोद्धु उत्पादन भरता है।
- देश में गोद्धु उत्पादन में उत्तरप्रदेश का प्रथम स्थान है, बाकि प्रति देशीय उत्पादन में पंजाब का प्रथम स्थान है,
- भारत गोदरित क्रांति के जनक → डॉ. एम. स्स. स्वामिनाथन  
— 1967-68
- दरित क्रांति का सबसे अधिक उभाव गोद्धु के चालन पर पड़ा। परंतु चालन की तुलना में गोद्धु पर ओरेक उच्चोव फड़ा।
- तेलंगाना प्रौद्योगिक मिशन की स्थापना - 1986 में हुई,
- तेलंगाना उत्पादन में पनि सबसे बड़ा उत्पादक है तथा भारत का तीसरा स्थान है,

- फलों एवं सहजियों के उत्पादन में भारत का अन्न के बाद दुसरा स्थान है।
  - जाम, केला, पीछ, नीबू, काजू, काली, मिठी, नारियल, अदरक, तथा हल्दी के उत्पादन में भारत का निश्चय में पहला स्थान है।
  - तबांडु की पत्तियों को सुखने की जड़िया को फ्रूटिंग बढ़ाते हैं।
  - भारत में नम्बर की खेती 1840 में असम की प्रदमपुत्र धारी में प्रारंभ हुआ। नाम में कैफियत तथा ऐनिन की इन्हस्ता पर्दी जाती है।
  - सबसे उच्चकोटि मा छहता अरेनिका होता है।
  - मक्कों में व्हाइट बड़ white bud एवं धान में खेरा दोग जस्ता भी कमी के कारण होता है।
  - भारत विद्युत में ग्वार गोदूं का सबसे बड़ा उत्पादक है, तथा राजस्थान ग्वार गोदूं का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है।
- नेश्नलों के आधार पर फसलों का वर्गीकरण :-
- रुक्णी :- पह अंकेन्दुकर-नवबंर में बोई जाती है तथा मार्च-अप्रैल में काट जाती है।  
मुख्य फसलें :- गोदूं, जौ, चना, मटर, शरसों, काजू, काई, अलसी आदि।
- खरीफ़ :- पह झुन-झुलाई में बोई जाती है तथा नवबंर-दिसंबर में काट जाती है।  
मुख्य फसलें :- कपास, धन, गन्ना, लिलाई, ज्वार, बाबरा, मक्का, अरद्द, मुँगफली, मटुंगा, लिंग, सोया बिन आदि।
- नायद फसलें :- पह गई-झुन में बोई जाती है तथा झुलाई-क्षणस्त्र में काट जाती है।  
मुख्य फसलें :- तरबुज, खीरा, ज्वार, मक्का, भूट आदि,

## बिंधु नदी के सभारों में २०७० का स्थान

<u>फसल</u>	⇒ <u>राष्ट्रीय क्रमवार</u>
पानी	⇒ १. पश्चिम बंगाल, २. उत्तर प्रदेश, ओडिशा
गेहूँ	⇒ १. उत्तर प्रदेश, २. पंजाब, मध्य प्रदेश
बोजरा	⇒ १. राजस्थान, २. उत्तर प्रदेश, ३. गुजरात
मक्का	⇒ १. ओडिशा प्रक्षेत्र २. झार्नीटक ३. महाराष्ट्र
चना	⇒ १. मध्य प्रदेश २. राजस्थान
अरेहर	⇒ १. महाराष्ट्र २. मध्य प्रदेश
मसूर	⇒ १. उत्तर प्रदेश २. मध्य प्रदेश
मुँगफावी	⇒ १. गुजरात २. राजस्थान
भरसो	⇒ १. राजस्थान २. मध्य प्रदेश
सोचाबीन	⇒ १. मध्य प्रदेश २. महाराष्ट्र
सूरज मुखी	⇒ १. झार्नीटक २. ओडिशा प्रदेश
भवास	⇒ १. गुजरात २. महाराष्ट्र
झट	⇒ १. पश्चिम बंगाल २. बिहार
आलू	⇒ १. उत्तर प्रदेश २. पश्चिम बंगाल
भाज	⇒ १. महाराष्ट्र २. गुजरात
गान्ना	⇒ १. उत्तर प्रदेश २. महाराष्ट्र
इधा, आलू	⇒ १. उत्तर प्रदेश
पास	⇒ १. असम
२वड.	⇒ १. खेड़ी
कोरु	⇒ १. महाराष्ट्र
वेशम व टोकी	⇒ १. झार्नीटक
फट्टवा	⇒ १. झार्नीटक, तोमेप्पनाई
तबोछ	⇒ १. लेक्कोनो २. ओडिशा प्रदेश
तिल दम	⇒ १. गुजरात २. मध्य प्रदेश

24iv

## भारत में प्रमुख शाष्ट्रीय उद्यान

→ भारत का पहला शाष्ट्रीय पार्क → जिम कॉर्ट (उत्तराखण्ड)

↳ इसके बीच में से शमगंगा नदी बहती है।

↳ इसका पुराना नाम - हली शाष्ट्रीय पार्क था।

→ भारत का सबसे बड़ा शाष्ट्रीय पार्क → हेमेस राष्ट्रीय पार्क

↳ इसमें हिमतेंदुजा पाया जाता है। जम्मू-कश्मीर

↳ हिमालय के ऊपर में स्थित एमान राष्ट्रीय पार्क है।

→ भारत का सबसे छोटा पार्क → शाकुप बन पार्क  
(अंडमान निकोनोर)

## आंध्र प्रदेश का शानीव गांधी शाष्ट्रीय उद्यान

तेलंगाना :- मृगबानी शाष्ट्रीय उद्यान

गुजरात :- बोरे बक नेशनल पार्क

→ गिरि बन शाष्ट्रीय उद्यान → एशियाई बबर शेर के निष्ठ जसिए

असम :- फालीशंगा नेशनल पार्क

↳ एक सिंह बाले गोड़े के लिए प्रसिद्ध है।

→ मानस नेशनल पार्क

→ नामेवी नेशनल पार्क

→ शानीव गांधी ओरंग नेशनल पार्क

हरियाणा :- कुलन्नान पुर नेशनल पार्क → गुरुग्राम

→ कलेसर नेशनल पार्क → कलेसर, अमृतनगर

हिमाचल :- खिरगंगा शाष्ट्रीय उद्यान

→ ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क

→ पिन केली नेशनल पार्क

→ सिम्बलारा नेशनल पार्क

जम्मू-कश्मीर → दाचीगाम शाष्ट्रीय उद्यान

↳ दाढ़ी बाला झगल पाया जाता है

मणिपुर :- कीबुल लामजाओ नेशनल पार्क

↳ विश्व का एकमात्र तैरता नेशनल पार्क

↳ घंटे नाप्ने बाला शंखाई इरिण पाया जाता है।

↳ थट लीकटक शैल में स्थित है

कर्नाटक :- बांदीपुर नेशनल पार्क  
→ कुहगुरु नेशनल पार्क  
→ आसी नेशनल पार्क  
→ शंजीव गांधी नेशनल पार्क (नाईखाला नेशनल पार्क)  
→ बैनरभट्टा नेशनल पार्क

केरल :- पेरिचार नेशनल पार्क  
→ साइलेट नेशनल पार्क

मध्यप्रदेश :- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान → 12 सिँचाला हिंडा पाता  
→ माधव राष्ट्रीय उद्यान  
→ माडला लॉट पॉसिस नेशनल पार्क  
→ पन्ना राष्ट्रीय उद्यान  
→ बोँबगढ़ नेशनल पार्क  
→ वन विहार नेशनल पार्क  
→ चेंच (प्रियदर्शनी) राष्ट्रीय उद्यान  
→ शंख नेशनल पार्क  
→ सतपुजा नेशनल पार्क

Shivjeet

मेघालय :- बाल परखरमा राष्ट्रीय पार्क

→ गाँड़ा मा शोकने वाला हिंडा असिह है।

उडिशा :- शीमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान

शालस्थान :- शरिस्का राष्ट्रीय पार्क

→ रणथंभोर राष्ट्रीय पार्क  
→ कुकुरंशा हिस्से राष्ट्रीय पार्क  
→ डेजर्ह नेशनल पार्क  
→ केवलादेव (धोन्ना) राष्ट्रीय पार्क

सिक्किम → खेंचेड़जेग राष्ट्रीय उद्यान

उत्तरप्रदेश → दुधबा नेशनल पार्क

गोवा → भगवान मदाकीर नेशनल पार्क  
→ गाँड़ा उड़ने वाली गिरन्दशी पर्क जाती है।

तमिलनाडु :- मुद्रुमलॉर्ड नेशनल पार्टी

→ अन्नामलॉर्ड नेशनल पार्टी

उत्तराञ्चल :- (i) गंगोत्री नेशनल पार्टी

(ii) गोविंद पशु विद्यार

(iii) जिम सर्वेट नेशनल पार्टी

(iv) नंदा देवी नेशनल पार्टी

(v) शाजा जी नेशनल पार्टी

(vi) कूलों की धारी राष्ट्रीय उथापन

पार्श्वम बंगाल :- बक्सा नेशनल पार्टी

→ तीरबेली नेशनल पार्टी

→ सिंगलीजा नेशनल पार्टी

→ जलदायरा राष्ट्रीय पार्टी → लाल वा०डा

पभाजाता है,

अंडमान किको → सुंदरवन नेशनल पार्टी → गहाँ का शायेंबे हङ्गर  
जसिछ है,

→ गहाँ मेंगोत बनेशपति  
पार्टी जाती है,

अंडमान डिकोबार → मार्केट हैसिट नेशनल पार्टी

→ साक्षण बटन पार्टी

## ÷ विभिन्न राज्यों के प्रमुख लोकनृत्य =

राज्य → नृत्य

- १ झारखण्ड → छाँ, पाईका, जदूर, गेमा मागा
  - २ असम → बिहू, कलीगोपाल, बोई, साजु, नागा नृत्य
  - ३ पश्चिम → गिद्धा, आँगड़ा
  - ४ राजस्थान → भठ्ठुत्ती, खुड़ासिनी, धूमर, कालके लिया
  - ५ नागालैण्ड → चौंग, चुहू नृत्य, खेता!
  - ६ गोवा → इक्की, माणी
  - ७ असमाञ्चल छदेश्वर ने मुखोटा, चुच्छनृत्य
  - ८ गुजरात → गरबा, डाँडिया, शकोलिया, पनिघारी
  - ९ उत्तराखण्ड → गढ़वाली, कुमाऊँ, चाचरी, छोलिया नृत्य
  - १० जम्मू-कश्मीर → राफ़क, चाल्ली, दिरूत
  - ११ हिमालय → छपेली, डंडा नस्ति, पठ्ठना, जदूरा
  - १२ छत्तीसगढ़ → गाड़ी, रुझालरमा, २६सा, २१कृत, नाचा
  - १३ बिहार → झोड़िसी, मुदारी, इडा नट
  - १४ महाराष्ट्र → भावनी, तमासा, गठोरा चतुर्भी
  - १५ गोपालगंग → बांगला, पाकलांग नोंगक्रोम
  - १६ उत्तर प्रदेश → छन्दरी, रासलीला, शैरा, नोटकी, चंचुल्ला नृत्य  
(श्रज शूभ्र)
  - १७ कर्नाटक → चक्कर गान, कर्णी झुनित
  - १८ केरल → कप्पकाळी, मोहनी अट्टम
  - १९ मणिपुर → मणिपुरी, ल्लाई दरिबा
  - २० दिल्ली → धमाल, सांग, खोछिया, खेड़ा, खूर, इफ, रतवाई, मधीरा, खुदाग नृत्य, छगी नृत्य
- Siv Jeet*

∴ शास्त्रीय संगीत :-

- १ केरल :- काली अट्टम, मोहनी अट्टम, छण्डालट्टम, कंथकली
- २ मणिपुर :- मणिपुरी
- ३ उत्तर प्रदेश :- कृष्ण
- ४ झारखण्ड → कुपीडुडी
- ५ तमिलनाडु → भारतनाट्यम्

## ⇒ व्योदार :-

### राज्य

### ⇒ व्योदार

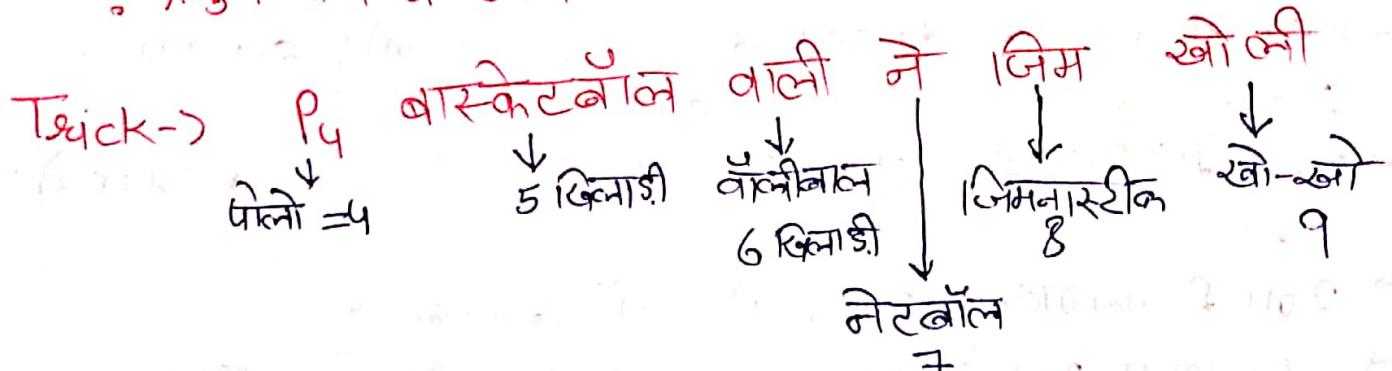
१ लमिलनाई	⇒ पीर्गंग
२ राजस्थान	⇒ पुष्कर मेला (अक्तुबर, भार्तीय धर्मियों)
३ गुजरात	⇒ डॉडिया
४ ओडिशा	⇒ पुरी की रथभाजा (श्रीराम लक्ष्मण के दिन)
५ उत्तराखण्ड	⇒ देवीधुरा मेला (रक्षाबंधन के दिन)
६ उत्तर प्रदेश	⇒ लड्मार छोली (बरसाती, मधुरा)
७ असम	⇒ बिहु
८ झेरल	⇒ ओठम (राजा महाकाली के स्वागत में)
९ सिक्किम	⇒ लोसांग (अक्तुबर में)
१० बिहार	⇒ छठ पूजा (सूर्योदय की पूजा) ⇒ दरिघर मेला → सोनपुर मेला ↳ एशिया का सबसे बड़ा वशुमेला
११ नई दिल्ली	⇒ लालसल्य मेला
१२ पंजाब	⇒ वैशाखी, साक्रांति, लोहड़ी
१३ झारखण्ड	⇒ खरदुल
१४ पश्चिम बंगाल	⇒ कुर्णी धर्जा

Note :- पवेटी → पारसियों का व्योदार है।

## ⇒ कुर्म मेला ⇒

- भारत में ५ स्थानों पर जगता है,
- नासिक → महाराष्ट्र
- उन्नाइव → मध्यप्रदेश
- बलाहबाद → उत्तरप्रदेश
- दरिघर → उत्तराखण्ड
- भट्टिक स्थान पर १२ साल बाद जगता है,

० प्रमुख खेल व उनमे खिलाड़ियों की संख्या ०



Trick → बस की इफ → कुटबॉल = ।।।

वेसबॉल-१ क्रिकेट हॉकी  
||      ||

→ वाटर पौली ⇒ ७ खिलाड़ी

→ क्रिकेट ⇒ ७ खिलाड़ी

- Note सबसे ऊपर १५ खिलाड़ी २मी में होते हैं,

० प्रमुख स्थानों व संबंधित राज्य ०

लौट अगरक → ओडिशा, शारखण्ड, छत्तीसगढ़.

मैगनीज → शारखण्ड भूराष्ट्र ओडिशा

फीयला → शारखण्ड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा

ताबा → शारखण्ड, राजस्थान, भूराष्ट्र

बॉक्साइट → ओडिशा, शारखण्ड, बिहार, भूराष्ट्र

अम्रक → शारखण्ड तथा गुजरात, मध्यप्रदेश

सोना → फर्नीटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश

जर्स्टा → राजस्थान, ओडिशा, झंगु-जश्मीर

जेट्रोलियम → आसाम, गुजरात, महाराष्ट्र

भूरेलियम → झारखण्ड, उत्तरखण्ड, राजस्थान

चाँदी → राजस्थान, फर्नीटक, तेलंगाना

हीरा → मध्यप्रदेश

सीसा → झारखण्ड

## भारत की जनगणना - 2011

- भारत में जनगणना की शुरूआत 1872 में हुई थी। इस समय गवर्नर जनरल लाई गया है।
- भारत में नियमित जनगणना 1881 के लाई रिपोर्ट के समय में हुई।
- 2011 की जनगणना भारत की 7वीं जनगणना है।
- जनगणना - 2011 के अनुसार भारत का विश्व में रैंक = 2
- निश्च द्वारा जनसंख्या का → 17.5%.
- भारत की जनसंख्या → 121,01,93,422  
पुरुष → 62,37,24,248 (51%)  
महिला → 58,64,69,174 (48.46%)
- भारत का लिंगानुपात → 940
- भारत में जनसंख्या का घनत्व → 382 व्याकृति / km<sup>2</sup>  
सबसे आधिक जनसंख्या राज्य → बिहार 1102
- " " " " → उत्तराखण्ड प्रदेश 17
- सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य शहर राज्य → 1. UP, 2. महाराष्ट्र
- सबसे ज्यादा सातारता → बिहार  
→ सर्वाधिक साक्षरता → केरल 93.91%, झज्जीरम 91.58%
- सर्वाधिक लिंगानुपात → केरल 1084, आंध्र प्रदेश 999
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या → गोवा, मिजोरम
- सबसे आधिक नगरीय जनसंख्या काला केन्द्रशासित प्रदेश → दिल्ली
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य → सिक्किम

## परिवहन

- देश में कुल सड़कों की कुल लंबाई → 33.2 लाख
- National Highway Authority की स्थापना → 1988ई०मे०
  - ↳ मुख्यालय → दिल्ली
- भारत का सबसे लंबा राजमार्ग → NH-44
  - ↳ इसे उत्तर-दक्षिण गालियारा भी कहते हैं।
  - ↳ सीनगर से कन्माकुमारी तक
  - ↳ लंबाई → 3745 Km
  - ↳ यह एक केन्द्रशासित प्रदेश दिल्ली से होकर जाता है।
  - ↳ यह 11 राज्यों से होकर गुजरता है।
- 1. जम्मु कश्मीर      6. मध्यराष्ट्र      11. राजस्थान  
 2. पंजाब      7. झाँसीप्रदेश  
 3. हरियाणा      8. तेलंगाना  
 4. उत्तरप्रदेश      9. तामिलनाडु  
 5. मध्यप्रदेश      10. ओरिन्द्र
- भारत का दूसरा सबसे लंबा राजमार्ग → NH-27
  - ↳ इसे पूर्वी-पश्चिमी गालियारा भी कहते हैं।
  - ↳ यह नोरबटर (छुजरात) से सिल्चर (असम) तक जाता है।
  - ↳ 3507 Km लंबाई
  - ↳ यह 7 राज्यों से होकर गुजरता है।
- 1. गुजरात      5. पश्चिम बंगाल  
 2. मध्यप्रदेश      6. असम  
 3. उत्तरप्रदेश      7. राजस्थान  
 4. बिहार
- NH 44 व NH 27 एक दूसरे को उत्तरप्रदेश के झाँसी में काटते हैं।
- NH 48 → दिल्ली - नैनीटी - मुर्बी
- NH 16 → नैनीटी - कोलकाता
- NH 19 → दिल्ली - कोलकाता

- भारत का सबसे धोरा राजमार्ग → ५८ A → एनआरकुलम से जोगी  
 → राष्ट्रीय राजमार्ग का ले MotG → Not Just Roads Buildings  
 A National
- भारत में सर्वाधिक पक्की सड़कों वाला राज्य → महाराष्ट्र  
 → भारत में सर्वाधिक फल्गी सड़कों वाला राज्य → उडिशा  
 → विश्व का सबसे अच्छा सड़क मार्ग → लेहमार्ग  
 → सीमान्तरी सड़कों पर निर्माण व प्रबंध सीधा सड़क विनास कोई छारा किए जाता है।  
 → भारत की सड़क प्रणाली का विश्व में तीसरा स्थान है।  
 → NH-31 एकमात्र राष्ट्रीय राजमार्ग है जो उत्तर-पूर्वी राज्यों को (Seven Sisters) को बीच भारत से जोड़ता है,  
 → सड़क व्यापार की दृष्टि से प्रथम राज्य → मिजोरम  
 → पक्की सड़कों के व्यापार की दृष्टि से पद्मोस्थान पर + गोवा

### जल परिवहन

- केन्द्रीय अन्तर्राज्यिक जल मार्ग प्राधिकरण की घोषणा, १९८७ई.  
 में की गई → HQ → बोलकता  
 → देश का सबसे बड़ा बंदरगाह → मुंबई  
 → देश का सर्वोच्च प्राकृतिक बंदरगाह → विशाखापत्नम  
 ↳ यह भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह भी है।  
 → नॉर्ड एक छत्रिम बंदरगाह है, यह सबसे प्रभावी बंदरगाह है।

NW-1 :- दक्षिण से ब्लाइबाद

- ↳ १६२० Km लंबाई  
 ↳ भारत का सबसे लंबे जलमार्ग

NW-2 :- सदिया से द्वुबारी

- ↳ ४९१ Km लंबाई

- भारत में १३ बड़े बंदरगाह तथा १८५ गोले बंदरगाह हैं।  
 → भारत की तट रेखा ७५१७ Km लंबी है।

## भारत के बंदरगाह

- १ कोँड्बा (गुजरात) → इसी स्थान पर गुजरात के कल्प लिले में नदी की खाड़ी में १९३० में की गई।
- २ मुंबई बंदरगाह → देश का सबसे बड़ा बंदरगाह है।
- ३ नवावा शेवा बंदरगाह → जवाहर लोहा ने हरे बंदरगाह → भारत का आधुनिकतम बंदरगाह है।
- ४ मर्मागुआ → यह गोका में बुआरी नदी के बाएं तर पर है।
- ५ न्यू मंगलोर → यह नंगलोक में मंगलुर से १ मि. दूर स्थित है।
- ६ कोट्टी → केळा के तट पर विलिंगटन फ्रीप में स्थित एक प्राचीन बंदरगाह है।
- ७ नई तृतीकोशिनि → तमिलनाडु के सहारे मन्नार की खाड़ी में स्थित है।
- ८ गेवई → पुर्वी तट पर भारत का एक उमरें बंदरगाह है यह एक कृत्रिम बंदरगाह है।
- ९ चेन्नै → तमिलनाडु
- १० विशाखापत्नम → देश का सर्वांग ग्राहकीय बंदरगाह है तथा देश का सबसे बड़ा बंदरगाह है।
- ११ पाराङ्गीप → डिस्सा के तट पर स्थित एक कृत्रिम बंदरगाह है।
- १२ दल्लीया → पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के किनारे स्थित है।
- १३ बोलकाता → पश्चिम बंगाल में हुगली नदी के बाएं तर पर स्थित है।

## वायु परिवहन

- भरत में वायु परिवहन की शुरूआत → 1911 → इलाहाबाद से नेत्री  
 → 1922 में टाटा संस लि. ने परेलु सेवा की शुरूआत की।  
 → वर्तमान में 126 अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय द्वारा अड्डे हैं,  
प्रमुख द्वारा अड्डे

- 1 राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → हैदराबाद
- 2 अन्ना अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → पेंजाब
- 3 शंका शोभा अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → भीपाल (मध्यप्रदेश)
- 4 शंका शोभा | गुरुग्राम रास अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → अमृतसर
- 5 बाना सोइब भीम राव अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अज → नागपुर (मध्यप्रदेश)
- 6 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस IAP → फलक्तो (पश्चिम बंगाल)
- 7 चौ. चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → लखनऊ UP
- 8 लोल लद्दाख रास्ती अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → वाराणसी UP
- 9 शेख अल भालम अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → वाराणसी UP
- 10 बिशरा गुड़ अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → नीनगर
- 11 केम्पेगोड़ अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → शंची भारत
- 12 आहिला नाई दोल्कर अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → बेंगलुर (कर्नाटक)
- 13 बिजु पट्टा द्वारा अड्डा → इंदौर
- 14 बंगम पेट द्वारा अड्डा → भुवनेश्वर  
→ हैदराबाद
- 15 गोपीनाथ बीरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → गुदाकारी
- 16 कीचिंग अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → केरल
- 17 जालिकट | कीशीकट अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → केरल
- 18 प्रदार पटेल द्वारा अड्डा → मद्दमदाबाद
- 19 जवाहर लाल अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → मुंबई
- 20 धरपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → मुंबई
- 21 इन्दिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → पालम, नई दिल्ली
22. जप प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय द्वारा अड्डा → पटना

- International Airport Rule - 1953 पं जवाहर लाल नेहरू की अक्षगता में पास हुआ।
- विश्व का सबसे ऊस्त एयरपोर्ट → हरिस फिल्ड ऐक्सन इंटर्नॉट्रीज़ एवाई अड्डा - अटलां (USA)
- एशिया का सबसे ऊस्त एयरपोर्ट → इन्दिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (नई दिल्ली)

## % भारतीय रेलवे %

→ रेल का अविकारक → जॉर्ज स्टीफेन्स

HIV

→ 14 अप्रैल 1853 को भारत की पहली ट्रेन चली मुंबई से थांगे के बीच 34 Km की दूरी में।

→ विश्व की पहली ट्रेन → 1825ई० इंग्लैण्ड में चक्री

→ पहली बियुत ट्रेन → 3 फरवरी 1925ई० डेक्कन क्वीन

→ भारत में ईजिल इंजन करखाना → वाराणसी

→ भारत में इलेक्ट्रोनिक इंजन कारखाना → चितरंजीन

→ भारतीय रेलवे लोड की स्थापना → 1905ई०

→ भारतीय रेलवे लोड का राष्ट्रीयकरण → 1950ई०

→ भारत में रेल बिट्ठाने का लोय → लॉर्ड डॉलोमी

→ स्वतंत्र भारत का पहला रेलवाज्ञा जॉन मधाई ने पेश किया।

→ भारत की सबसे लंबी दूरी तथा लरने वाली ट्रेन → विवेक एक्सप्रेस  
↳ डिक्षुगढ़ से कमाकुमारी

→ रेलवे की लंबाई में भारत का USA, चीन व स्स के बाद पौथा स्थान है।

→ भारत में सबसे लंबा रेलवे प्लेटफार्म → गोरखपुर 1.3 Km

→ भारत व पाकिस्तान के बीच समझौता एक्सप्रेस  
↳ अमृतसर से जाहोर

→ भारत में सबसे आधिक रेलवे भाइन → उत्तर प्रदेश

→ भारत व नार्गलादेश के बीच → बर्धन एक्सप्रेस - १ बबकर २०१८

→ मैत्री एक्सप्रेस

→ भारत का सबसे साफ रेलवे स्टेशन → १. जोधपुर, २. जयपुर

- विश्व का सबसे जुराना भाप रेल → फेयरी क्वीन (रेकार्ड)
- भारत का मेट्रोमेन → ई. ग्रीष्मकालीन
- भारत का मिनी मेट्रोमेन → मग्न सिंह
- भारत में सबसे पहले मेट्रो १९८५ई० में बलबता में चली।
- "मधुमक्खी प्रणाली" का संबंध दायियों को पटरियों से हटाने की कहाना है।
- तो राज्यों में एक स्टेशन → नवादुर रेलवे स्टेशन  
 (मध्यराष्ट्र व गुजरात)
- भारत का पहला रेलवे स्टेशन → छत्रपति शिवाजी रेलवे स्टेशन  
 (मुंबई)
- राष्ट्रीय रेल दिवस → १५ अप्रैल
- राष्ट्रीय रेलवे विश्वविद्यालय → बड़ोदरा (गुजरात)
- वर्तमान में भारत में रेलवे जोन → १८ → नया → विश्वाखापत्तम
- भारत का एकमात्र चुरूंगा के मध्य रेलवे स्टेशन → केलाही (MP)
- २०१९ रेलवे शाँकी की चीम → भोपाल से भास्त्वा
- रेलवे का स्थायी शुभकर्त → श्री भोलू दाढ़ी
- भारत की सबसे लेज गति से चलने वाली ट्रेन → ट्रेन-१४
  - ↳ इसका नाम वेदे भारत एक्सप्रेस रखा है।
  - ↳ यह दिल्ली से वाराणसी चलती है।
- रामायण एक्सप्रेस → २८ एक हरियाणा ट्रेन है।
  - ↳ २८ दिल्ली के सफरागांज से रामेश्वरम तक जाती है।
- विश्व की पहली दृष्टिलेन हैन → जर्मनी
- आशीर्वाद स्टेशन (मुंबई) का नाम बदलकर शम मंदिर स्टेशन कर दिया है।
- "बोगी बिल तुल" का नाम बदलकर अटल शेत्रु तुल कर दिया है,
  - ↳ यह भारत का सबसे बड़ा रेल व भड़क तुल है।
- भारत का पहला नीचे स्टेशन → उबीबगाज (मध्यप्रदेश)
- उबीबगाज स्टेशन का नाम बदलकर अटल बिटारी वाजपेयी स्टेशन कर दिया है।
- भारत रेल बजट १९२५ में एक्षवर्ष सभी सामिति के कहने पर आम बजट से कमा भिजागया।
- बाइबेक डिबोरे सामिति के कहने पर २०१७ में पुनर रेल बजट को आम बजट में मिलाया गया।

→ भारत का सबसे जबां रेलमार्ग → उत्तरी रेल मार्ग

∴ महात्मा गेनल :-

८° → मिनिकार्य व मालदीव

९° → लक्ष्मीपुर व मिनिकार्य

dhiv

१०° → अंडमान व निकोमार के बीच

३४° → उत्तरी कोरिया व दक्षिण कोरिया को भला करता है

५१° → अमेरिका व क्यानाडा को भलग करता है

∴ जलवायु :-

→ भारत की जलवायु उष्णकरिक्षीय मानसूनी जलवायु है।

→ भारत के उत्तरी भैंसों में श्रीत नदियों में बर्बाद पाइजीमी विहोश या भेर रुद्धीम के भारण होता है।

→ उत्तर-पाइजीमी भारत से श्रीम नदियों में भलने वाली गम्फ द्वाजों को "लू" कहा जाता है।

→ मासिनराम (भेप्यालय) १५१८m विश्व में सबसे ऊँचा बर्बाद होती है।

→ यह सबसे ऊँचा बर्बाद → लेट (जम्मू-कश्मीर)

श्रीत → १५ दिसंबर से १५ मार्च

श्रीम → १६ मार्च से १६ जून

बर्बाद नदियों → १६ जून से १५ सितंबर

श्रीम नदियों → १६ सितंबर से १५ दिसंबर

→ नाम्बरजाहू या कोरोमड़ला तर पर बर्बाद लौटते हुए मानसून से होती है।

→ भारत में औसत वार्षिक वर्षा  $\rightarrow$  125 cm तथा वर्षा को 75%  
भाग दक्षिण-पश्चिम भारत के द्वारा  
दीती है,  
उड़गा मरुस्थलीय जलवाया  $\rightarrow$  वर्षा 30 सेमी. से भी कम तापमान आधिक  
पहाँ भरुस्थल प्रकार की वनस्पति पाई जाती है  
डुब्बा जलवाया  $\rightarrow$  पहाँ तापमान सालों भर  $10^{\circ}\text{C}$  से भी कम दीता है,  
भुजीय जलवाया  $\rightarrow$  तापमान सालों पर  $0^{\circ}\text{C}$  से कम दीता है,  
उड़गा करिहंधीय स्वाना जलवाया प्रदेश  $\rightarrow$  इन प्रदेशों में वार्षिक वर्षा  
75 से 150 सेमी. दीती है,

### ÷ मिट्टी ÷

→ भारत सुधि अनुसंधान परिषद् ने भारत की मिट्टियों को 8  
भिन्नों में बाँटी है -

- 1 जलीट  $\rightarrow$  भारत के कुल लेत्रफल के लगभग 22% भाग पर जलीट  
मिट्टी का केवल है,  
 $\rightarrow$  इस मिट्टी का निर्माण जादियों द्वारा लोए गा तब छट से  
जिकिता से हुआ है।  
 $\rightarrow$  इस मिट्टी में नम्फ्रोजन, बास्फोर्स एवं ड्यूरारा की जी  
दीती है  
 $\rightarrow$  इसमें धान, मक्का, तिक्कने, बलहन, आबू आदि उगाई  
जाते हैं।

- 2 काली मिट्टी  $\rightarrow$  इस मिट्टी को रेगुर नाम से भी जाना जाता है,  
 $\rightarrow$  यह ज्यास सी खेती के लिए विख्यात है,  
 $\rightarrow$  इस मिट्टी का आमा रुँगी रिटेनीफ्रेस, मैग्नेटाइट  
एवं जीवांश की उपार्श्वता के लाभ दीता है,

- 3 इलोम मिट्टी  $\rightarrow$  इस मिट्टी का भाल रुँगी लौट आन्साइट के भाग  
होता है,  
 $\rightarrow$  इस मिट्टी में सेलिना व शायख की वहुलता दीती है,  
 $\rightarrow$  इस मिट्टी से उष्मातः मोहे अनाज, देल एवं

५ लेटेराइट मिट्टी :- पह मिट्टी समान्यतया २०० सेमी. से आधिक वर्षा वाले ज़ेत्रों में पाई जाती है।

- इसमें मुख्य रूप से लोटा एवं ऐल्युमिनियम के गोल और दीते हैं तथा बालू को नीचे धने जाते हैं।
- पह मिट्टी चाच की खेती के लिए उपयुक्त है चाच असम में सबसे ज्यादा दीती है।

६ पर्वतीय या वज्रीय मिट्टी :- इस मिट्टी में उर्वरक शाक्ति कम दीती है।  
→ इस मिट्टी में चाच, कट्टा, मसाले व फलों की छूषि ज्यादा की जाती है।

७ मकरस्थलीग मिट्टी :- इसमें लोटा एवं फॉर्सफोरस की पर्णीपत्र भाजा होती है।

- पह एक अनुकूल व धांशीय गुण काली मृदा है।
- इस मिट्टी में ज्वारा-बाजरा, शगी आदि तथा तिलचन ऐवा इना जाता है।

८ लवणीय एवं ज्वारीय मिट्टी :- इस मिट्टी को रेह, ऊस्सर या बल्लर के नाम से जाना जाता है।

- यह स्थ अंत ज़ीजीय मिट्टी है।
- इसमें सोडियम, कोल्ड्रियम, मैग्नीशियम के भवण अपरी स्तर पर दीते हैं।
- तरीय ज़ेत्रों में इस मृदा में नारियल बहुतायत में मिलते हैं।

९ पीट या जैविक मिट्टी :- दलदली ज़ेत्रों में काफी आधिक मात्रा में जैविक पर्याप्तों के जमा हो जाने से इस मिट्टी का निर्भाग दीता है।

- पह मिट्टी काली, भारी एवं काफी अम्लीय होती है।
- पह मिट्टी कुछतः केरल के कल्पी जिले उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा एवं सुन्दरबन डेल्ला में पाई जाती है।

## ० प्रमुख उद्योग

- देश का पहला लौह-इस्पात उद्योग 1874ई० कुल्टी(बंगाल) में खोला गया।
- देश में सबसे पहले सबसे बड़े लैमाने का कारखाना 1907 झारखण्ड में स्वर्ण नदी की धारी में साकपी नामक स्थान पर जमैशेद जी दादा हासा स्थापित किया गया।
- भारत का पहला इल्युमिनियम उद्योग 1937 में बंगाल में असनसोल के निकट ऐ.के.० नगर में स्थापित किया गया।
- हिन्दुस्तान इल्युमिनियम कार्पोरेशन की स्थापना मध्यभूदेश के जीरबा नामक स्थान पर की गई।
- भारत में पहली शुद्धी वस्त्र भीला 1818ई० में कोलकाता के समीप फोर्ट ग्रेस्टर में की गई। परन्तु यह असफल रही।
- भारत में सबसे पहली शुद्धी वस्त्र उद्योग 1854 में चुंबाई में बावसंबी नामा होरा की गई।
- शुद्धी वस्त्र उद्योग का सर्वाधिक व्यापारण भद्राष्ट्र एवं गुजरात में है,
- ऊनपुर को उत्तर भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है,
- कोयम्बटूर को दास्तां भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।
- अष्मदाबाद को भारत का बोर्सन कहा जाता है।
- भारत का पहला ज्वर उद्योग 1859ई० में कोलकाता के समीप रिशारा नामक स्थान पर की गई।
- भारतीय ज्वर निगम की स्थापना → 1971ई०
- तिर्हुत का सबसे पहला शीमेंट फारखाना → 1824 पोलोड़े पोर्टलैंड में
- भारत में सबसे पहले शीमेंट फारखाना → 1904
- राजस्थान भारत का सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक राज्य है,
- भारत का पहला कागज कारखाना 1716ई० मद्रास के द्रक्कनपाटमें
- पाइनीम बंगाल भारत का सबसे बड़ा शीमेंट उत्पादक राज्य है,
- भारतीय उर्वरक निगम की स्थापना 1951 में की गई । इसके तहत राष्ट्रिय का सबसे बड़ा अर्जी सर्वेत्र सिक्कन्दरी में स्थापित किया।
- भारत में लापुथान निर्माण का प्रथम लारखाना → 1940ई० में बंगलुरु में हिन्दुस्तान एयर क्राफ्ट कंपनी के नाम से स्थापित किया गया। जिसे अब हिन्दुस्तान प्रैशोनोटिस्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता है।

→ अशोका लीनैंड द्वारा उद्योग - चेन्नई  
→ हाटा इंजीनियरिंग एवं सोलोमोटिव कंपनी लिमिटेड → जमशेदपुर  
→ मार्टिना एवं महिना लिमिटेड → पुणे  
→ भारत में रेलइलंब बनाने का सबसे तुरन्त नास्थाना (पश्चिम गांग) में 26 जनवरी 1950 को इथापित किया गया।

→ डीजल से चलने वाले रेलइलंब का निर्माण वराणसी  
→ भारत में रेल डिब्बे बनाने का प्रथम नास्थाना चेन्नई के समीप फेराम्बुर में सने 1925ई० में इथापित हुआ।

→ भारत में पहली छन नी भील → 1870ई० लम्पुर

→ 21 अक्टूबर देशम फर्निराफ से जाह लगते हैं।

→ भारत को सबसे बड़ा चमड़ा उद्योग - फानपुर

→ भारत की शक्तिगति के बाद फैक्टरी नीजना में लोह-स्पात के केन्द्र लगाए गए।

1. मिलाई → छतीसगढ़ → भाद्र स्तर की शहायता से लगाया गया

2. दुर्गापुर → पश्चिम गांग → भाद्र जिले के सहयोग से लगाया

3. शाहजहानपुर → उडिसा → भाद्र जम्नी के सहयोग से लगाया।

→ नीरारी पचावर्षीय घोलना गो → बोकारो (झारखण्ड) में लोह-स्पात स्तर की सहायता से लगाया गया।

→ भारत का पहला उर्कक नास्थाना → 1906 रानीपेट (तमिलनाडु)

→ बैंगलुरु सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग सा प्रमुख केन्द्र है।

→ बैंगलुरु को भारत का सिलिकन बेली + दा जाता है,

→ कोंडो (कर्नाटक) गो बनाया गया जोपान की शहायता से शिपचाई देश का सबसे बड़ा शिपचाई है, यहाँ पर जेशज के बिए मरम्मत व इंजीनियरिंग का उद्योग भी है,

→ द्रैक्टर निर्माण हेतु फरीदाबाद (दिल्ली), पिंजोर (दिल्ली) जैसे हैं,

→ अदमदाबाद को "भारत का मैनचेस्टर" व "पुर्व दो नोर्थ" कहा जाता है।

→ मुंबई को "स्कूटी वर्स्ट उद्योग की राजधानी" कहा जाता है,

→ दोसांगांबाद (MP) में नोरों के कागज नैमार किए जाते हैं,

Shiv JEE T

## १. भारत के प्रमुख दर्ते

1 सिक्किम :- (i) नाशुला वर्षा  
(ii) ~~भी~~ लेले पला वर्षा → तीस्ता नदी से निर्माण हुआ।  
Trick :- नाशु का सिक्का ब्लू गया।

2 उत्तरकदोश :- (i) माना दर्श  
(ii) लिखुलेख दर्श  
(iii) नीति दर्श।  
Trick -> ऐसा मालिनी दर्श में उत्तरी।

iii) हिमाचल प्रदेश :- (i) रोहतांग दर्रा → मनाली के लिए  
 (ii) कारालाचा दर्रा → कश्मीर को हिमालय से जोड़ता है।  
 (iii) शिपकीला दर्रा → शिमला को तिब्बत से जोड़ता है।  
 ↳ यह सतलुज नदी से निभित है।

Trick → शोदताश के बड़े-किले पर हिम छिरा।

पूर्वोत्तर भारत के जल संकट का क्या कारण है?

पूर्वोत्तर भारत के जल संकट का कारण है-

- बोमडिला वर्षा
- दुसुल वर्षा
- दिकु वर्षा → भए भारत-पाक-भौमार की रसीगा।
- याँग्याप वर्षा → का ड्रिप्पल प्वाइंट है।
- पाँडी वर्षा → ब्रह्मपुर नदी से निर्भित

Trick → अरण ने दर्जे में पाँच बीज बोलिए।

६ मणिपुर → तुङ्ग धर्म → शासन → जम्मू से शीकार

7 मध्याध्य → भालधार → नासिंह - मुबंदी  
 भीक धार → भुवंदी - पुणे

४ केरल → (i) पाल धार → फोम्बटूर से कोचिन भार्ग  
 (ii) सिनकोट धार → त्रिवेन्द्रम से भद्रे भार्ग

## ० विश्व की प्रमुख जीलें ०

- उजार जीलों का देश → फीनलैंड
- जीलों की वारिका → फीनलैंड
- सबसे ज्यादा जीलें → फनाड़ी
- जीलों के अध्ययन को लिम्नोलॉजी

SHIV

१ कैरिपियन सागर जील → विश्व की सबसे बड़ी खारे पानी की जील  
→ पहुंच एशिया में है।

२ सुदीर्घि जील :- विश्व की सबसे बड़ी मीठे पानी की जील  
→ पहुंच अमेरिका में है।

३ बैकाल जील → विश्व की सबसे गहरी जील  
→ पहुंच रस में है।

→ इसे "पवित्र सागर" व "पर्ल ऑफ साष्ट्रेटिया" कहते हैं  
→ पहुंच विश्व की सबसे ऊरानी जील है।

४ टिरिकाका जील → पहुंच विश्व की सबसे ऊर्ध्वांश पर स्थित जील है  
→ पहुंच पेक्ष त बोलिविया की सीमा पर है,

५ बांध जील :- विश्व की सबसे आधिक खारे पानी की जील  
→ इसमें ७३०% जगता है,  
→ पहुंच दृक्की में है।

६ टांगी निका जील ⇒ पहुंच विश्व की दूसरी सबसे गहरी जील है  
→ विश्व की सबसे लंबी जील है।  
→ पहुंच अफ्रीका में है।

७ मृतसागर → विश्व की सबसे नीची जील  
→ बंगाल व जॉडैन में है।

८ विक्टोरिया जील :- पहुंच अफ्रीका में है।  
→ यह विश्व की सबसे लंबी नदी नील पट्टी से निकलती है।

→ फार्क फ्लोवर जील चीन में है।

→ five finger Lakes → पह ५ झीलें अमेरिका व कनाडा के बीच हैं,

H → एयरोप झील

O → ओटेरियो झील

M → मिसिग्न झील

E → इरी झील

S → सुपीरियर झील

Note: मिश्रीग्न झील अमेरिका व कनाडा के बीच नॉर्थ वर्डर नहीं बनती।

→ राज्य व केन्द्रशासित प्रदेश में पाई जाने वाली जनजातियाँ →

गुजरात → भील, बंडारा, कोली, पटेलिया, डफर, टोडिया आदि।

हिमाचल → गड्डी, भोरा, भावोली आदि।

जम्मू कश्मीर → बक्करतल, गढ़वाली, भद्रकाखी, गुजर, यांगो आदि, केरल → कादर, उराली, भोपला, इखला, पनियान आदि,

मध्यप्रदेश → भील, गोड़, लभवाडी, बंडारा, मुरिया, बिशन्धर्व, मुण्डा।

महाराष्ट्र → वारली, बंडारा, कोली, चितपावन गोड़, अछु म्हामाडिया।

माधेपुर → कुकी, भेटी, नगा, शंगामी

मेपालय → धारो, खासी, जथान्तिया, मिकिर आदि।

मिजोरम → लाखर, पावो, भीजो, चकुमा, लुशाई, छाकी आदि।

ओडिशा → जुआंग, खरिया, भृद्या, संधाल, चेतु, गोड़, सोड़, डोंगारिया, बोंडो।

राजस्थान → भीठा, सौदरिया, संस्थी, गरासिया, भील, बंडारा, भोली,

सिक्किम → लेञ्चा, लिम्बू

तमिलनाडु → लड़गा, टोड्कोटा,

त्रिपुरा → रियांग अपका त्रिपुरी।

उत्तराखण्ड → घास, लोध, मारा, भोडिया, खास

पंजाब → लोधा, भूमिज, संधाल, लेञ्चा, लिम्बू आदि।

झज्जर → राढ़ा, दिमारा, कोधारी, तोड़े, अबीर, आवो, मिकिर

आंश्रमण्डल → चेन्नूस, कोडस सवारा, गढ़वा, गोड़ आदि

झारखण्ड → संधाल, चुड़ौ, औराव, बिश्बोर, मेजी आदि,

लक्ष्मीप → वासी।

अंडमान निकोबार → औज़े, जारवा, इखला, शेंटलीज, अठमारी।

- जनजातियं विलास विभाग भारत सरकार के अनुसार भारत में जनजातीय समूहों की संख्या ८५० है।
- २०११ की जनगणना के अनुसार जनजातियों की जनसंख्या २३% भारत की जनसंख्या का ४.६% है।
- जनसंख्यां की दृष्टि से **मध्यप्रदेश** शब्दसे आधिक जनजातीय जनसंख्या पाला जिला है।
- प्रतिशत प्रतिशतता की दृष्टि से सबसे जनजातीय संख्या कोषा २१% है।
- **उक्तराजपा** का आदिकासियों का भर्सीदा के उपनाम **गिलोरम** से जाना जाता है।
- भारत में सर्वाधिक आदम जनजाति गोड़ है।
- दोडा जनजाति नीलगिरी की पहाड़ियों में निवास करती है,
- १००% जनजाति वीवान्ती लोटार को शीर्ष के रूप में अपनाती है।
- **गिथग** लोटार नाम जनजाति का है,
- दोडा जनजाति पहुंच पालक है तथा शैसं पालते हैं,
- सर्पाली लोग डुजारी को नामक बदते हैं,
- जनजातियों की जीवनशिक्षा संस्था को **युवाघृष्ण** कहा जाता है,
- आदिकासियों का धमुक वर्ष **सरहल** नेत्र शुक्ल तृतीया की भवाना जाता है,
- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद -३६६ (२५)** के अनुसार जनजाति से तात्पर्य उन जनजातीय समूहों के अंतर्गत समूहों से है जो संविधान के **अनुच्छेद -३५२** के तहत अनुसूचित जनजातियों में भाग गए हैं।

*Amrit*

## → भारत के प्रमुख भौगोलिक उपनाम →

भौगोलिक उपनाम →	शहर
ईश्वर का निवास स्थान →	शहर
पांच नदियों की भूमि →	पंजाब
सात टापुओं का नगर →	मुंबई
षुनकरों का शहर →	पानीपत
अंतरिक्ष का शहर →	बंगलुरु
उभमड़ हार्ड	कोलकाता
इलेक्ट्रॉनिक नगर	बंगलुरु
भारत का प्रवेश द्वार	मुंबई
धूर्ख का वेस्ट	कोचिं
भारत का पिट्सबर्ग	बम्बेदपुर
भारत का मैनचेस्टर	अहमदाबाद
मसालों का बगीचा	कोल्काता
ठुलाबी नगर	जयपुर
फ्रीन ऑफ डेफन	पुणे
भारत का हॉलीवुड	मुंबई
झीलों का नगर	शिंगर
पटाड़ी की मलिका	नेत्रहार
भारत का डेढ़ाभर	पीथमपुर
धूर्ख का वेस्ट	जयपुर
शीया पृदेश	मध्यपुदेश
सर्वाधिक उत्तुषित नदी	सावरमती
काली नदी	शारदा
दक्षिण भारत की झाँ	कोकोरी
एल्ट्रा माइट्रोन	नीलगिरी पटाड़ियाँ
एशिया की अंडे की टोकरी → आंध्रपुर्देश	
शैतान स्थान का दृत्य → अजमेर	
शुश्मा नगरी	बरेली

- खुशबूझों का शहर → कन्नौज  
 काशी की बद्दन → गाजीपुर  
 लीची नगर → वेदशाह्मी  
 राजस्थान का शिमला → माझटाला  
 छुपर प्रसारित नगर → चेनई  
 फरीदपुर का रत्न → मैसूर  
 औहारों का नगर → मदुरै  
 श्वर्णी मंदिर का शहर → अमृतसर  
 भदलों का शहर → कोलकाता  
 नवाबों का शहर → लखनऊ  
 इस्पात नगरी → जमशीदपुर  
 पर्वतों की राजी → मसूरी  
 बैलियों का नगर → दिल्ली  
 भारत का स्वीटरलैंड → कश्मीर  
 धूवे को स्कॉरलैंड → मेस्यालैंड  
 तीव्र भारत का ऐनचेस्टर → काशीपुर  
 मंदिरों एवं घारों का नगर → लालगांव  
 भारत का केरिस → अमपुर  
 बड़ी-चों का शहर → कपूरथला  
 हृष्टकी का स्वर्ग → श्रीनगर  
 भारत का उद्धार → बंगलुरु  
 भारत का वीरस → अहमदाबाद  
 गोल्ड सिटी → अमृतसर  
 शूती वस्तों की राजधानी → मुंबई  
 पवित्र नदी → गंगा  
 बिदार का शोक → कोसी  
 बृह्ण गंगा → गोदावरी  
 पांचिम बंगाल का शोक → दामोदर  
 बुड़वां नगर → दैर्घ्यराबाद → सिक्कूदराबाद  
 कोथला नगरी → धनबाद

HIV

## भारत के राज्य व राजधानी

राज्य	-	राजधानी
दिल्ली	→	पट्टीगढ़
पंजाब	→	चौटीगढ़
हिमाचल प्रदेश	→	किमला
उत्तराखण्ड	→	बेहरादुन
राजस्थान	→	आगपुर
छुब्बिरात	→	गांधीनगर
मोका	→	पठानी
उत्तर प्रदेश	→	बख्तार
बिहार	→	पटना
असम	→	दिसपुर
उडिया	→	शूलनोरेन
फर्नारिक	→	बंगलुरु
तमिलनाडू	→	चैन्नई
नागालैंड	→	कोहिमा
मेघालय	→	शिलांग
मिजोरम	→	आइजोल
धृतीरण्ड	→	रायपुर
तोल्पाना	→	हैदराबाद
पश्चिम बंगाल	→	কল্কাতা
आंध्र प्रदेश	→	हैदराबाद
केरल	→	तिरुपतिपुरम
मणिपुर	→	इमोल
गोवा	→	मुंबई
सिक्किम	→	गंगेतोक
अरुणाचल प्रदेश	→	शिटानगर
झारखण्ड	→	राँची
मध्य प्रदेश	→	ओपाल
त्रिपुरा	→	भगरतला

राज्य = 28

→ जम्मू कश्मीर राज्य नहीं २८।  
के क्षेत्र सित उद्देश्य है।

केन्द्रशासित प्रदेशों की राजधानी

केन्द्रशासित प्रदेश → राजधानी

- १ दमन और दीव → दमन
- २ दिल्ली → नई दिल्ली
- ३ चौटीगढ़ → चौटीगढ़
- ४ पुकुचीरी → पुकुचीरी
- ५ लक्ष्मीपुर → लक्ष्मीपुर
- ६ अंडमान व निकोबार → पोर्ट ब्लेयर  
हीप समूह
- ७ वायराप नगर एवेली → सिल्वासा
- ८ जम्मू-कश्मीर →
- ९ लद्दाख →

केन्द्रशासित प्रदेश - ७

→ दाल द्वी में जम्मू कश्मीर के बद्रोख  
के केन्द्रशासित प्रदेश बनाया जा  
गया है।

प्रस्तावित → अमरावती

## ०० भारत के अनुसंधान केन्द्र ००

- १ केन्द्रीय वन अनुसंधान केन्द्र → देहरादून - १९०६
- २ केन्द्रीय चेहो लियम, अनुसंधान केन्द्र → देहरादून
- ३ लेसर अनुसंधान केन्द्र → मुंबई
- ४ पशु प्रजनन अनुसंधान केन्द्र → दिसारे
- ५ नेशनल डेगरी अनुसंधान केन्द्र → कर्णाळ
- ६ नेशनल TB अनुसंधान केन्द्र → बंगलुरु
- ७ रोड. अनुसंधान केन्द्र
- ८ मलेशिया अनुसंधान केन्द्र } → दिल्ली
- ९ कृषि अनुसंधान केन्द्र } → HIV
- १० इंडस अनुसंधान केन्द्र → लखनऊ
- ११ आलू अनुसंधान केन्द्र → शिमला
- १२ गान्ना अनुसंधान केन्द्र → कोयम्बटूर (तमिलनाडू)
- १३ चावल अनुसंधान केन्द्र → वरक (उडिया)
- १४ शीठी अनुसंधान केन्द्र → कानपुर
- १५ श्रीक्षा " " → कोलकाता
- १६ खूट " " → कोलकाता
- १७ वैज्ञानिक उपकरण अनुसंधान केन्द्र → चाटीगढ़
- १८ वनस्पति अनुसंधान केन्द्र → लखनऊ
- १९ शू-भौतिक अनुसंधान केन्द्र → हैदराबाद
- २० पर्यावरण अनुसंधान केन्द्र → नागपुर
- २१ बीशबले सहरी अनुसंधान केन्द्र → लखनऊ  
↳ अग्रीन में लक्ष शब्दों की जाँच के लिए
- २२ फिल्म व लीनी अनुसंधान केन्द्र → पुणे
- २३ दीश अनुसंधान केन्द्र → सुरत
- २४ भारतीय मौरस्मि विज्ञान विभाग → नई दिल्ली
- २५ केन्द्रीय शक्ति विभाग अनुसंधान → २७८ की (उत्तराखण्ड)
- २६ केन्द्रीय खाद्य औद्योगिकी अनुसंधान संस्थान → मैसूरु
- २७ केन्द्रीय चमड़ी अनुसंधान संस्थान → चेन्नई
- २८ केन्द्रीय खनन अनुसंधान संस्थान → धनबाद (झारखण्ड)

- २७ नेशनल एशोरिंग्स लिमिटेड → बंगलोर
- ३० भारतीय तकनीकी अनुसंधान संस्थान → भागलपूर

## सौरमंडल

→ सूर्य, ग्रह, उपग्रह, धूमकेतु एवं धुम्रतंदों से मिलकर सौरमंडल बना है।

1. सूर्य :- सूर्य एक तारा है।

→ सूर्य से नाभिमीय संलयन होता है और अजी प्राप्त होती है।

→ सूर्य अपने अहं पर पूर्व से पश्चिम की ओर धूमता है।

→ सूर्य एक गैसीय जीवा है जिसमें इश्क्षोजन 71.0%, हीलियम 26.5% एवं अब्स तत्व 2.5% होता है।

→ सूर्य का केन्द्रीय भाग क्रोड कहलाता है।

→ सूर्य के केन्द्र आ तापमान  $1.5 \times 10^7^\circ\text{C}$  होता है।

→ सूर्य की बाहरी सतह का तापमान  $6000^\circ\text{C}$  है।

→ सूर्य की दोषिमान सतह को प्रकाशमंडल कहते हैं।

→ सूर्य अद्वा के समय सूर्य के द्विखार्द देने वाले भाग को सूर्य-किरीट कहा जाता है।

→ सूर्य-किरीट X-कृष्ण उत्साहित जूता है इसे सूर्य का मुकुट कहा जाता है।

→ सूर्य की ऊंचाई  $5 \times 10^8$  किलोमीटर है।

→ सूर्य के सबसे निरुत्तम तारा प्रोत्तरिभा रोन्चुरी है।

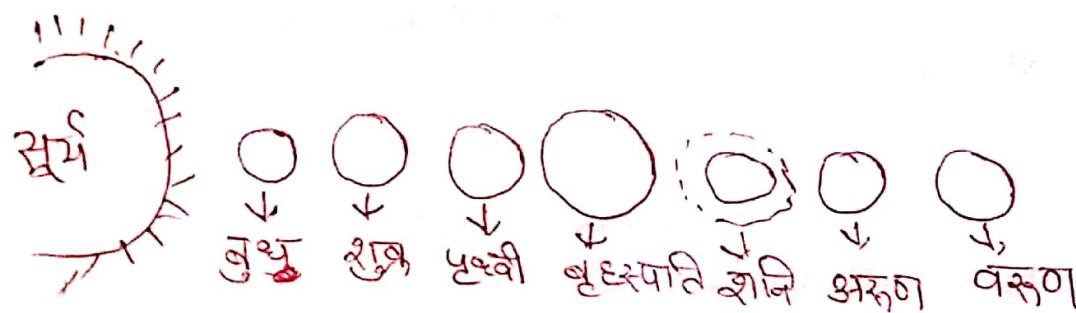
→ सूर्य कलंसो का ताप  $1500^\circ\text{C}$  है।

→ सूर्य का उकारा पृथ्वी तक पहुँचने में 8 मिनट 16 सेकंड ले समय लेता है।

ग्रह :- वर्तमान में आठ ग्रह हैं।

आकार के अनुसार (अवरोधी प्रक्रम में) →

1. बृहस्पति
2. शनि
3. अर्द्धग्रह, वर्षण, पृथ्वी, शुक्र, मंगल, बुध



१ बुद्ध :- भूमि के सबसे नजदीक ग्रह है।

Mercury इसका जोर्ड उपग्रह नहीं है,

→ ग्रह सबसे कम समय में सर्वे की परिक्रमा पूरी करता है जिवन ४८ दिनों में।

→ ग्रह सबसे छोटा ग्रह

→ इसका तापान्तर सबसे अधिक है  $600^{\circ}\text{C}$

२ शुक्र :- सबसे अधिक-यमजीला ग्रह

Venus → सबसे अधिक ग्रही ग्रह है।

→ शुक्र ग्रह पूर्व से पाइथियम यी दिशा में परिक्रमा करता है।

→ इसे "पृथ्वी की बहिन", "साँझ का नारा", "भोर का नारा" कहते हैं।

→ इसका जोर्ड उपग्रह नहीं है।

३ पृथ्वी :- पृथ्वी आकार में ५वां सबसे बड़ा ग्रह है।

→ इसे नीला ग्रह भी कहते हैं।

→ एकमात्र ऐसा ग्रह जिस पर जीवन संभव है।

→ ग्रह अपने अक्ष पर  $23\frac{1}{2}^{\circ}$  की झुकी हुई है।

→ ग्रह अपने कक्षा तल के साथ  $66\frac{1}{2}^{\circ}$  कोण बनाती है।

→ ग्रह सर्वे के चारों ओर परिक्रमा करने में ३६५ दिन ५ घण्टे ५८ मिनट ५६ सेकण्ड का समय लेती है।

→ ग्रह अपने अक्ष पर घूर्णन करने में २५ घण्टे का समय लेती है।

→ परिस्थिति पृथ्वी का एकाग्र उत्कृष्ट है।

→ पृथ्वी पर ७१.१० जल तथा २७०% भूस्थित है।

→ पृथ्वी का विषुवतीय व्यास  $12756\text{ km}$  तथा ध्रुवीय व्यास  $12714\text{ km}$  है।

→ पृथ्वी की सर्वे की एक श्रृंखला परिक्रमा करने में लगा समय सीर वर्ष कहलाता है।

→ अनुमानित आयु  $\rightarrow 4.6$  बिलियन वर्ष

→ आकृति  $\rightarrow$  Geoid (ज्यावाक्ष)

→ धरानी का ज्ञेयफ़ैल  $\rightarrow 51.1 \text{ चरोड़. km}^2$

चन्द्रमा → चन्द्रमा पर शुक्रत्वाकर्षण बल का मान हृष्टी के शुक्रत्वाकर्षण का

1/6 मात्र है।

- चन्द्रमा के अध्ययन से शेलेजीलॉजी कहा जाता है।
- चन्द्रमा पर धूल के भेदान को शान्ति सामूहिक कहा जाता है।
- चन्द्रमा को जीवाशम ग्रह भी कहा जाता है।
- पृथकी से चन्द्रमा का 57% मात्रा देख सकते हैं।
- चन्द्रमा हृष्टी से एक अंतरिक्षमा 27 दिन 8 घंटे में छोटी बदलता है।
- चन्द्रमा का व्यास 3480 km है।
- चन्द्रमा का त्रिभुजल पृथकी के त्रिभुजमान के लगभग  $\frac{1}{3}$  है।
- ज्वराभाटा ठाने के लिए सौर एवं चन्द्रमा की वाकियों का अनुपात 11:5 है।
- **सुपर मून** → जब चन्द्रमा हृष्टी के सबसे निच्छट दोता है तो उसे सुपर मून कहते हैं तथा इसे पेरिजी पूल मून भी कहते हैं।
- चन्द्रमा का तथा हृष्टी के बीच औसतन दूरी 384365 km है।
- **ब्लू मून** → जब एक फूले छवि माह में दो शर्णिमात्र हो तो दो दूसरी शर्णिमा को ब्लू मून कहा जाता है।
- चन्द्रमा पर बायूमडल नहीं है।
- चन्द्रमा पर 5 दिनों के बीच 19 जुलाई 1969 में नील अर्मस्टार्टिंग ने अपोलो-11 बायूमान से बहुचाँहा।

## पृथग्गल

- पृथग्गल का उक्ति दूरी हृष्टी पर 45° बने में 1.3 सेकेंड लगता है।
- चन्द्रमा से हृष्टी की आधिकतम दूरी → अपथ्र (406,000 km)
- चन्द्रमा से हृष्टी की न्यूनतम दूरी → उप-श्र (364000 km)
- चन्द्रमा अपने अपने पर 5° झुका है।
- इस लोल रण आगरा आक्साइज के कारण होता है।
- इसके दो उपराह हैं - 1 फोबोस व डिमोस
- शूर्य की अंतरिक्षमा भरने में 687 दिन लेता है।
- सौरमड़न का सबसे लोड ज्वलामुखी ओलिप्स मेसी एवं सौरमड़न का सबसे अचौं पर्वत निकरा अपेक्षित भोल मिथ्या रही है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ISRO) ने अपना मंगलयान 5 नवम्बर 2013 को गी उरिकोला (आंध्रप्रदेश) से धूर्णीय अंतरिक्ष प्रवेषकयान PSLV-C-25 से प्रक्षापित किया।

५ बृहस्पति :- सौरमंडल का सबसे बड़ा व सबसे आरी ग्रह है।

→ इसमें तारा व ग्रह दोनों के द्युग्रह पाए जाते हैं।

→ इसमें स्कैम्स जी देवियों की जी है।

→ सर्वाधिक उपग्रहों वाला ग्रह → 63 उपग्रह

→ इसे अपनी धुरी पर चक्रवर्गाने में सबसे कम 10 घरे समय लगता है।

→ सूर्य की परिष्रुति करने में 12 घरे समय लगता है।

→ इसके ३ उपग्रहों में ग्राहीभीड़ उपग्रह सबसे बड़ा है।

६ शनि :- यह आकार में दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है।

→ इसके चारों ओर ७ वलय हैं।

→ शनि का सबसे बड़ा उपग्रह टाइटन है।

→ इस ग्रह का धनत्व सबसे कम है जल से भी कम है।  
शनि जब में रखने पर यह तेज़ी से खेड़ा हो जाता है।

७ अरुण :- यह आकार में तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है।

→ इसकी खोज 1781ई० में विलियम हर्षेल ने की।

→ यह सूर्य के चारों ओर ५ वर्ष से पांचविं परिष्रुति ग्रहता है।

→ यह अपनी धुरी पर सूर्य की ओर इतना शुका हुआ है कि  
लेटा हुआ सा उत्तीर्ण दोता है, इसलिए इसे लेटा हुआ ग्रह  
भी कहा जाता है।

→ इसे द्वारा ग्रह भी कहते हैं।

→ इसके चारों ओर ७ वलयों में इ का नाम अल्फा (A), बीए  
(B), गामा (G), डेल्डा (D) एवं इष्टिसेलैंड है।

८ वस्त्रण :- व्राकी की खोज 1846ई० में जर्मन खगोलज्ञ जहाँग गाले ने की।

→ यह सूर्य से सबसे दूर स्थित ग्रह है।

→ यह सबसे ठण्डा ग्रह है।

→ इसे द्वारा ग्रह भी कहते हैं। इसके चारों ओर अतिशीतल मिथेन  
जो बाल धारा रहता है,

मुद्रग्रह → मण्डल एक बृहस्पति ग्रह की कक्षाओं के बीच कृष्ण  
छोड़े - २ आकाशीय पीड़ हैं जो सूर्य की परिष्रुति करते हैं।  
उसे भुज्य ग्रह कहते हैं।

→ फिर वेस्टरा एक्साज ऐसा भुज्य ग्रह है, जिसे नंबी और्खों से देखा जा  
सकता है।

## ४. पृथकी और उसका शौधिक संबंध :-

प्रकाश-नक्षा :- दोस्री काल्पनिक रेखा जो पृथकी के प्रकाशित और अप्रकाशित दो भागों में बांटती है।

### पृथकी की गतिशीलीय :-

१ धूर्णन :- पृथकी सदैव अपने आँख पर पश्चिम से पूर्व धूमती रहती है, जिसे पृथकी का धूर्णन या परिक्रमण कहते हैं। इसके कारण दिन व रात दीने हैं।

२ परिक्रमण :- पृथकी अपने आँख पर धूमों के साथ-२ शूर्य के पारों और एक दीर्घवृत्तीय मार्ग में परिक्रमा करती है। जिसे परिक्रमण मा वादित गति कहते हैं। पृथकी जो सूर्य से परिक्रमा करते हैं में ३६५ विन ८४८ लगते हैं।

उपसीर :- पृथकी सूर्य की परिक्रमा दीर्घवृत्तीय कक्षा में भरती है। जिसके एक फोकस पर सूर्य दोता है। जब पृथकी सूर्य के आधिक पास दोती है तो उसे उपसीर कहते हैं। इसी स्थिति ३ जनवरी को दोता है।

अपसीर :- पृथकी जब सूर्य से आधिकलम दूरी पर दोती है तो उसे अपसीर कहते हैं। ऐसी स्थिति ५ जुलाई को दोती है।

एपसाइड रेखा → उपसीरिक एवं अपसीरिक के मिलाने वाली काल्पनिक रेखा सूर्य के केन्द्र से दूजरती है। इसे एपसाइड रेखा कहते हैं।

अंतर्रांश रेखाएँ :- काल्पनिक रेखाओं मा ए ऐ ऐसा समूह जो पूर्व से पश्चिम समानांतर रेखा में खीची गया है। अंतर्रांश रेखा छहलाता है।  
→  $0^\circ$  अंतर्रांश रेखा को शुभमध्यरेखा, विषुवतीय रेखा भी कहते हैं।

→ अंतर्रांशों का प्रयोग ज्योगिय दूरी के लिए किया जाता है।

→ दो अंतर्रांशों के मध्य  $111.13 \text{ km}$  की दूरी दोती है जिसे फरिनद्य के नाम से जाना जाता है।

→ अंतर्रांशों की संख्या  $\rightarrow 180$

त्वलोक पर  $\rightarrow 179$

मानविक पर  $\rightarrow 181$

→ उत्तरी ध्रुव पर  $23\frac{1}{2}^\circ$  कर्करेखा है

→ दक्षिणी ध्रुव पर  $23\frac{1}{2}^\circ$  मकर रेखा है।

Shiv

→ अफ्रीका एकमात्र ऐसा देश है, जो तीनों रेखाओं शू-ग्रध्य, कर्कि, मकर रेखा को छूता है।

→ आजील विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जो दो भृत्यपूर्ण रेखाओं शू-मध्य रेखा, व मकर रेखा को छूता है।

→ कर्कि रेखा को दो बार पार करने वाली नहीं → माली (भारत)

→ शू-मध्य रेखा को दो बार पार करने वाली नहीं

→ मकर रेखा को दो बार पार करने वाली नहीं → नापरे (कागो देवा)

→ लिम्पोपा (दक्षिण अफ्रीका)

→ देशान्तर रेखाएँ :- ये वे रेखाएँ हैं जो उत्तर से दक्षिण खिंची गईं।

→ इनका प्रयोग समूह के लिए किया जाता है।

→ ये रेखाएँ समानांतर नहीं होती। ये उत्तरी तथा दक्षिणी ध्रुव पर एक बिन्दु पर मिल जाती हैं,

→ दो देशान्तरों के मध्य 4 मिनट का समय भगता है,

→ दो देशान्तरों के मध्य 111.32 Km की दूरी है, जिसे गोर पा जोन कहा जाता है।

→ देशान्तरों से सर्वांग 360 है,

→ 0° देशान्तर को दूरी रेखा। विश्व समय रेखा के नाम से जाना जाता है।

→ 180° पश्चिमी रेखा को अंतर्राष्ट्रीय समय रेखा कहते हैं। यह प्रशान्त महासागर में से उत्तरी गई।

→ अप्प ध्रुव के द्विसे ओर से नहीं छूती।

सक्रांति :- सूर्य के उत्तरायण और दक्षिणायण सीमा को सक्रांति कहते हैं,

कर्कि सक्रांति :- 21 जून को सूर्य कर्कि रेखा के लंबवत् होता है। इसे कर्कि सक्रांति कहते हैं। यह उत्तरी गोलार्ध को सबसे बड़ा दिन होता है।

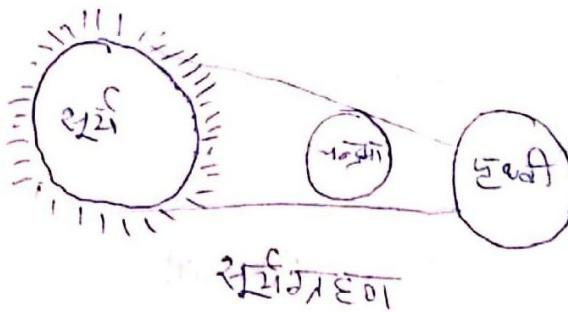
मकर सक्रांति :- 22 दिसंबर को सूर्य मकर रेखा पर लंबवत् होता है। इसे मकर सक्रांति कहते हैं। इस दिन दक्षिणी गोलार्ध में सबसे बड़ा दिन होता है,

विषुव :- यह ध्रुवी में 90 रेडियन दूर भव सूर्य की ओर से विषुव रेखा 42 लंबवत् होती है। तो दिन व रात बराबर होते हैं।

→ 23 शितकर व 21 मार्च को संहिता पूर्वी पर दिन रात जरान्धर होते हैं, इसे अश्वः शरद बिषुव एवं बसंत बिषुव कहते हैं।

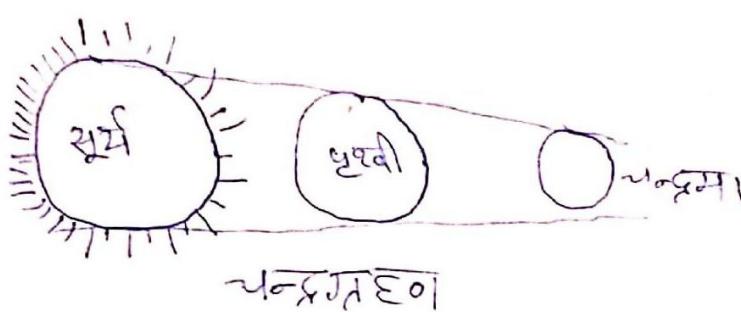
Note: पूर्वी के अपने अश्व पर शुक्री होने के बारे दिन-रात होते हैं।

सूर्यग्रहण: - जब सूर्य व पूर्वी के बीच चन्द्रमा आ जाता है, तब सूर्य ग्रहण होता है, सूर्यग्रहण हमेरा अमावश्या को आता है।



Shiv JEET

चन्द्रग्रहण: जब चन्द्रमा व सूर्य के बीच पूर्वी आ जाती है तब चन्द्रग्रहण होता है तथा चन्द्रग्रहण अश्वा पूर्णिमासी को होता है।



97295 04909

→ एक महिने में दो पक्ष होते हैं। 1. ऋण्य पक्ष 2. शुक्ल पक्ष  
कृष्ण पक्ष → पूर्णिमा से अमावश्या

शुक्ल पक्ष → अमावश्या से पूर्णिमा

→ जब सूर्य व पूर्वी के बीच चन्द्रमा हो तथा तीनों स्थिति रेखा में हो ने हो युति कहेंगे।

→ जब सूर्य व चन्द्रमा के बीच पूर्वी होतो हो युति कहेंगे।

सिंजगी → जब सूर्य, चन्द्रमा तथा पूर्वी तीनों एक स्थिति रेखा में हो ने उसे सिंजगी कहते हैं।

## भारत की प्रमुख चोरियाँ :-

- भारत की सबसे अच्छी चोरी K2 गोंडवन ओस्टिन 86।। मीटर है  
यह वर्तमान में पाक अधिकृत कश्मीर में है।
- भारत में हिमालय की सबसे अच्छी चोरी कंचनज़दाही 8598 मी। (सोने)
- नदी देवी उत्तराखण्ड में है तथा इसकी ऊँचाई 7817 मीटर है।
- पूर्वी भारत में हिमालय की सबसे अच्छी चोरी नामगालरता 8598 मी।  
7782 मीटर है।
- अरावली पहाड़ियों की सबसे अच्छी चोरी शुरू रिखर (माझें आबू रजरथम)  
1722 मीटर है।
- दक्षिण भारत या प्राचीनीय भारत की सबसे अच्छी चोरी अनईमुदी  
2697 मी। (उन्ना गलाई की पहाड़ियों में)
- मध्यप्रदेश → सतपुड़ी की पहाड़ियों  
↪ सबसे अच्छी चोरी - धूपगढ़ी 1350 मी।
- छतीसगढ़ → छोटा नागपुर का पहार  
↪ पारस्पर्य की चोरी → 1365 मी।
- प० बंगाल → सबसे अच्छी चोरी → टाइगर इल 2650 मीटर
- अंडमान निकोबार → सबसे कृच्छी चोरी → सेंडल पीक 737 मी।
- लामिनाड़ → नीलगीरी की पहाड़ियाँ  
↪ सबसे अच्छी चोरी → डोडाबेटा 2637 मी।

## १. विश्व के प्रमुख घास के मैदान

- प्रेपरी घास → प्रेपरी घास के मैदान उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं
- स्टेपिज → स्टेपिज घास के मैदान इशिया एवं यूरोप में पाए जाते हैं
- कैम्पास → कैम्पास घास के मैदान ब्राज़िल में पाए जाते हैं,
- प्रमास → प्रमास घास के मैदान अर्जेन्टीना में पाए जाते हैं।
- वेल्ड व रेवाना → अफ्रीका में पाए जाने वाले घास के मैदानों को वेल्ड व रेवाना कहा जाता है।

- डाक्नस → डाक्नस घास के मैदान आस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं,
- पार्कलैंड → पार्कलैंड घास के मैदान दक्षिण अफ्रीका में पाए जाते हैं।
- लानोज → कोलंबिया व गुयाना में पाए जाने वाले घास के मैदानों को लानोज कहा जाता है,

## २. विश्व में पर्वत

१ उत्तरी अमेरिका → उत्तरी अमेरिका की सबसे लंबी पर्वतमाला "शॉकिंग"

→ इसकी सबसे ऊँची चोटी "मार्केनले" है।

२ दक्षिण अमेरिका → दक्षिण अमेरिका की सबसे लंबी पर्वतमाला "एंडेन" है, जो विश्व की सबसे लंबी पर्वतमाला है।  
→ इसकी सबसे ऊँची चोटी "मार्केन स्कागुआ" है।

३ यूरोप :- यूरोप की सबसे लंबी पर्वतमाला "स्कैडेलियन" है।  
→ इसकी सबसे ऊँची चोटी "मार्केन एन्कुज" है।

४ एशिया → एशिया की सबसे लंबी पर्वतमाला "हिमालय" है जो विश्व की सबसे ऊँची पर्वतमाला है।  
→ इसकी सबसे ऊँची चोटी "मार्केन एवरेस्ट" है जो विश्व की सबसे ऊँची चोटी "8850 मीटर" है।

५ अफ्रीका :- इसकी सबसे लंबी पर्वतमाला "एटल्स" है,

→ इसकी सबसे ऊँची चोटी "भाउड डिलीमजांशे" है।

६ आस्ट्रेलिया :- इसकी सबसे लंबी पर्वतमाला "वेस्ट ऑस्ट्रेलियन रेज़ियन" है,

→ इसकी सबसे ऊँची चोटी भाउड जिशियुरको है।

### ÷ प्रमुख जले =

→ भारत व भारत के बीच रीमा का निर्धारण अकारमोमा पर्वत जली भरी है।

→ इन्हें तर शीरिया देवीन रीमा का निर्धारण गोमन के पहाड़ियाँ भरती हैं,

→ "कुन्दु" पर्वत जली के एशिया की ओर, वहाँ जाता है।

### ÷ देश व उनके पुराने नाम =

#### नामा नाम

भारत

→ बर्मा

अपोधिया

→ अबसीरिया - मध्यप्रदेश के भारत का अपोधिया नाम भाता है।

तीव्रलैंड

→ ईलेंड

बह्लादेश

→ शूर्वीप्रसिद्धताम

जापिया

→ अर रोडिसिया

ईगन

→ मेसोपोटामिया

वाइलैंड

→ वृगम

वीजिनी

→ वीजिनी

जाता

→ स्वर्वी द्वीप

जार्जी

→ जनार्विया

डोनोरीया

→ इन्ह इस्ट बंडिया

जाना

→ ग्रीलंडफैर

भारतवै

→ भारतीया

ईम

→ पार्षिया

मीलको

→ शिल्पी

लाइबान

→ कार्येस्था

मेशीया

→ मले

## अंतर्राष्ट्रीय संगठन व उनके कानूनात्मक

- 1 विश्व बैंक → वाशिंगटन डी.सी. (अमेरिका) स्थापना → 1945
- 2 अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा फोंड IMF → वाशिंगटन डी.सी. → स्थापना → 1945
- 3 संयुक्त राष्ट्र ओंडीजीडी विकास → विधा (आस्ट्रीया)  
(UNIDP) ↗ स्थापना → 1966
- 4 विश्व व्यापार संगठन → जेनेवा (स्वीटजरलैंड)  
(WTO) ↗ स्थापना → 1995
- 5 पश्चिमी विकास बैंक → मनीला (फिलिप्पिन)
- 6 ADB ↗ स्थापना → 1966
- 7 अंतर्राष्ट्रीय दूर रान्चर राष्ट्र → जेनेवा (स्वीटजरलैंड)
- 8 अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड़ान शंस्थान → मांडियन (फ्रांस) ↗ स्थापना → 1865
- 9 अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड़ान शंस्थान → मांडियन (फ्रांस) ↗ स्थापना → 1947
- 10 विश्व गौसग विकास संगठन → जेनेवा (स्वीटजरलैंड)
- 11 विश्व गौसग विकास संगठन → जेनेवा (स्वीटजरलैंड) ↗ स्थापना → 1950
- 12 भूनिवर्सिटी संघीय संगठन → बर्न (स्वीटजरलैंड) ↗ स्थापना → 1874
- 13 अंतर्राष्ट्रीय संगठन → जेनेवा (स्वीटजरलैंड) ↗ स्थापना → 1948
- 14 विश्व पर्यावरण निगम → मैट्रिड स्पेन ↗ स्थापना → 1925
- 15 शार्क SAARC → नारामाई (नेपाल) ↗ स्थापना → 1985
- 16 रेडक्रॉस → जेनेवा (स्वीटजरलैंड) ↗ स्थापना → 1863
- 17 खाद्य एवं खेड़ी संगठन → श्रीम (इटली) ↗ स्थापना → 1945
- 18 गेट GATT → जेनेवा ↗ स्थापना → 1947
- 19 अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिका → देग (नीदरलैंड) ↗ स्थापना → 1946

QHIV

१७ संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) → न्यूयार्क (अमेरिका)  
↳ स्थापना → २५ अक्टूबर १९४५

१८ प्रोटोको UNESCO → पेरिस  
↳ स्थापना → १९४६

१९ भ्रान्तिसेवा UNICEF → न्यूयार्क (अमेरिका)  
↳ स्थापना → १९४६

२० आसियान ASEAN → जर्किला (इंडोनेशिया)  
↳ स्थापना → १९६७

२१ नाटो NATO → इंग्लैंड  
↳ स्थापना → १९५५

२२ अख्ब लीग → फाहिरा  
↳ स्थापना → १९५५

२३ राष्ट्रमंडल → लद्दाख (जम्मू कश्मीर)  
↳ स्थापना → १९२६

## विश्व में प्रमुख रागीरत्नाल

१ सदारा मस्तकल → अफ्रीका में

- यह विश्व का सबसे बड़ा मस्तकल है।
- यह विश्व का सबसे गर्भ मस्तकल है।
- इसकी सीमा ११ देशों को छूती है।

२ गोली मस्तकल → यह मग्नोलिया व चीन के बीच है।  
→ यह विश्व का सबसे छोटा मस्तकल है।

३ पार मस्तकल → उत्तर-पश्चिमी भारत व पाकिस्तान के बीच में है,

४ कालादारी मस्तकल → मध्य अफ्रीका में

५ अद्वितीय आराकामा मस्तकल → चिल्ली  
→ यह विश्व का सबसे शुष्काग मस्तकल है।

६ ग्रेट विक्टोरिया मस्तकल → अस्ट्रेलिया

Note → यूरोप महाद्वीप में एक भी मस्तकल नहीं है।

ShivJeet

## महाद्वीप

→ पृथकी पर शु-भाग की सबसे बड़ी महाद्वीप कहलाती है,

→ पृथकी पर सात महाद्वीप हैं।

१ एशिया :- यह सांसार का सबसे बड़ा महाद्वीप है। यह विश्व के लंगाभग ३०% ध्रुवीय पर विस्तृत है।

→ लगात सोगर और स्नेज़-नेटर एशिया को अफ्रीका से अलग भरता है।

→ बोरिंग जलसंधि एशिया को उतरी अमेरिका से अलग भरती है।

→ यह सर्वाधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप है।

→ अस्त्र प्राप्तियोगिया विश्व का सबसे बड़ा प्राप्तियोगिया है जो कि एशिया में है।

→ एशिया में विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत माउंट एवरेस्ट ८८५० है जो नेपाल में स्थित है। जहाँ से सांगरमत्ता नाम से जाना जाता है।

→ एशिया का सबसे बड़ा देश → चीन

- विश्व का सर्वाधिक विस्तृत पठार तिब्बत का पठार है जो मध्य एशिया में स्थित है,
- एशिया में विश्व का सबसे ऊँचा पठार पार्मिंग का ठड़क है जिसकी ऊँचाई ५४७५ मीटर है, इसी कारण पामिंग को "विश्व की छहत" कहा जाता है।
- एशिया की सबसे लंबी नदी प्राचीनी है।
- एशिया की अधिकृतम गाहराई मूलसागर (३९७ मी)
- कजाकिस्तान एशिया का सबसे बड़ा स्थालखण्ड देश है।
- विश्व का सबसे गहरा सागरीय गहरा ग्रेट चीनी ना भारत ११,०२२ मी० गहरा।
- पश्चिमों के ध्रुवात भादासागर में है।
- विश्व की सबसे गहरी शील बोकाल शील एशिया में स्थित है,
- विश्व की सबसे बड़ी और अंतर्राष्ट्रीय कार्यपालक सागर एशिया मूलसागर भौदाहीप में है।

Note: क्षस के एशियाई भाग को राष्ट्रबोर्डा कहते हैं बोकाल और कार्यपालक सागर शान्तिरेखा में ही है।

- एशिया में विश्व की सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित शारे पानी की शील फ़ैगंग शील लंदनोख व तिब्बत में स्थित है।
- एशिया में विश्व का सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान मासिन्यम (मेधात्म्य भारत) में स्थित है, इससे पहले चेरापुंजी में सर्वाधिक वर्षा होती है।
- एशिया में विश्व का सबसे लंबां लंबां प्लेटफार्म गोमुकुर गोरखपुर उत्तरप्रदेश में स्थित है अधिसांकी लंबाई १३५५ मीटर है।
- चीन विश्व का सर्वाधिक भूमध्यीय पकड़ने वाला देश है।
- विश्व में सर्वाधिक अखंकार पकड़ने वाला देश दाँगलांग है।
- विश्व में सर्वाधिक डाकघर भारत में है,
- एशिया का सबसे लंबा रेलमार्ग द्वारा साइबेरियन रेल मार्ग है,
- एशिया की सबसे लंबी रेलवे लुहूंग शिङ्ग जापान में है।
- एशिया का सबसे गर्म स्थान → मोहन्जोदगो (पाकिस्तान)
- एशिया का सबसे ऊँचा स्थान → बर्मायास्क (शाईबिंग)
- गोल सागर व भूमध्य सागर को जोड़ने वाली नदी योनि नदी है।
- विश्व का सबसे बड़ा सिन्कोना उत्पादक देश इंडोनेशिया है।
- विश्व का सर्वाधिक जलयोग्य बनाये वाला देश → जापान

- विश्व में सिर्वाईं नदी का सबसे बड़ा जाल पश्चिमान है।
- मगामारू अपने शुन्दर मार्किरों के लिए जास्ति है।
- स्वानिमि विश्वज के क्षतिग्रह लाथोरा-पाइलैंड-मगामारू आते हैं।

## ५. भूरोप :- → सबसे बड़ा देश

- गद्य विश्व का सर्वाधिक नगरीकृत महाद्वीप है।
- भूरोप को प्राप्तवीपों का प्राप्तवीप भी कहा जाता है, 
- भूरोप का सर्वोच्च द्विखर एल्बर्ज रेस में स्थित है।
- भूरोप जी सबसे ऊँची नदी ब्रोड्जा है।
- भूरोप महाद्वीप का सबसे बड़ा नगर लंदन है जो ट्रेस नदी के किनारे स्थित है।
- फ्रांस की राजधानी पेरिस है जो सीन नदी के किनारे स्थित है।
- पेरिस ने "विश्व का शुब्दरानगर", फ्रेशन मिनारी कहते हैं।
- युक्रेन गणराज्य विश्व का प्रमुख गैर्ड उत्पादक ज़ेन्ट्र है जो "विश्व का अन्न अडंग" भा. "रोटी की डलिया" कहलाता है।
- इटली विश्व में सर्वाधिक शहर वे जैकून उत्पादक वेरा हैं।
- राइन नदी का जलगार्भ भूरोप का सर्वाधिक वार्षिक अंतः स्थलवीय जलगार्भ है।
- फ्रेंचफ्ल की हाई से विश्व का सबसे बड़ा देश भूरोप महाद्वीप है।
- शैम्पेन शराब विश्व की सबसे बहुमूली शराब फ्रांस में बनती है।
- फ्रांस को सुरा और सुन्दरियों का देश कहा जाता है।
- भूरोप को प्राचीनियों का महाद्वीप कहा जाता है।
- भूरोप के फ्रिन्कों किन्वेंड को शीलों का देश कहा जाता है।
- इटली को भूरोप का भारत कहा जाता है।
- इंग्लिश चेनल फ्रांस को युनाइटेड किंगडम से अलग करता है।
- गल्फ सूखीग जलधारा भूरोप का गर्भ कब्ल उफ्नाम से जाना जाता है।
- स्विटजरलैंड को भूरोप का रेवेन का गोदान कहा जाता है।
- तुर्की को भूरोप का गरीब कहा जाता है। भूरोप की राजधानी मैकारा है।

- पोन्डी जो इटली की गाँ कहा जाता है,
- प्रांस की तीव्र नदी इंग्लिश चेनब में गिरती है।
- विश्व का सबसे लंबा भूमिगत देल्मार्ग लंदन एवं पेरिस को जोड़ता है,
- प्रांस को "किसानों का देश" एवं "शमुद्रों की राजी" कहा जाता है,
- एस्टर्वर्प (बोल्डियम) विश्व में हीरा व्यापार को सबसे बड़ा बनाता है

## उत्तरी अमेरिका

- उत्तरी अमेरिका विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- इसकी खोज 1512ई० में बोलांबस ने की थी। अतः इसे नई दुनिया कहा जाता है।
- उत्तरी अमेरिका का यह नाम अमेरिगो वेसपुस्ती नामक साहसी आजी के नाम पर अमेरिका पड़ा।
- पनामा नदी उत्तरी अमेरिका तथा विधिनी अमेरिका को जोड़ती है,
- उत्तरी अमेरिका का तीव्रच्य शिघर माउंट ऐकिन्ले 6195मी० अलार्टका में है।
- उत्तरी अमेरिका में शीतोष्ण धारा के भैदान प्रेसी कहलाते हैं।
- अनाडा का मोर्ट्रिपल कागज धोग के लिए उपयोग है।
- अनाडा विश्व में सर्वाधिक कागज उत्पादित करने वाला देश है,
- अनाडा यूरेनियम का सबसे बड़ा उत्पादक एवं निर्मातक देश है,
- विश्व में दूसरा स्थान है। छृथम स्थान → फ्रान्सिस्तान
- समुक्त राज्य अमेरिका विश्व का सर्वाधिक भवका उत्पादित बरने वाला देश है,
- सर्वाधिक सोषाबीन → समुक्त राज्य अमेरिका
- बगूबा हीप को गन्ने का इसुख उत्पादक होने के कारण "पीनी का देश" कहा जाता है,
- अमेरिका केलो उत्पादन के लिए जानी है,
- उत्तरी अमेरिका का मौकसीको विश्व में सर्वाधिक ~~पांच~~ पांची उत्पादित करने वाला देश है।
- विश्व का सबसे बड़ा केलो स्टेशन → ग्राहं सिंक टमिनल (न्यूयॉर्क, अमेरिका)

- विश्व का सबसे बड़ा आजाग्रहकर → अमेरिका मूलियां और नेपुरल इस्ट्री → लगाएँ, हमें रिका
- विश्व की सबसे बड़ी भीड़ पर्सी की इन्हें सुपीरियर हील उतरी अमेरिका में स्थित है।
- अटलारें नदी की से भित्तकर ज्ञा विश्व का सबसे ऊंचा आंतरिक भूभार्ड है।
- विश्व में गोदूँ की भंडी से विश्वास की नगर तिनी पेंग फनाड़ा में है।
- ऐन प्रांसिस्को में सिलिङ्ज वेली है जो सॉफ्टवेयर लें अप्पर तेहों के लिए उत्तिष्ठते हैं।
- शिनागो में विश्व का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन है।
- संसार का सबसे बड़ा बद्दंगाह → न्यूयार्क।
- विश्व का उधम राष्ट्रीय उद्यान → थेलोस्टोन उद्यान (स्टेट राज्य अमेरिका)
- संसार में सबसे बड़ी साधा → आण्टेरिओ (फनाड़ा)
- प्रामाण्य के दो बड़े बद्दंगाह → लोनन व पनामा
- जनसंख्या की दृष्टि से उतरी अमेरिका का सबसे बड़ा नगर उत्तरी अमेरिका का सबसे बड़ा देश → फनाड़ा → मौक्सिमो

### ३. दक्षिण अमेरिका

- विश्व का चौथा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- पनामा जल संधि द्वारा उतरी अमेरिका से मिला हुआ है।
- ब्राजील की सीमा चिली व इक्वाडोर को छोड़कर शीघ्र सभी दक्षिण अमेरिकी देशों से जगती है।
- विश्व की सबसे ऊँची नौकायान चील टिटिकाका पेरु-बोलीविया की सीमा पर स्थित है।
- दक्षिण अमेरिका महाद्वीप की सबसे लंबी नदी अमेजन है।
- विश्व का सबसे ऊँचा ज़्याना एंजिल वेनेजुएला में केरो नदी पर स्थित है, १७९ मी।
- दक्षिण अमेरिका में पापा जाने वाला केंडोर वही संसार का सबसे बड़ा शिकारी पक्षी है।

- बोलिविया की राजधानी **लापाओ** विश्व की सबसे ऊँची ३६५८ मीटर पर स्थिति स्थिति राजधानी नगर है।
- दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का सबसे बड़ा नगर **स्ट्री-डी-जेनेरिया** (जापानी) है।
- दक्षिण अमेरिका के अमेरीना में विस्तृत व्यास के मेदाव को पम्पास कहा जाता है, पम्पास को अर्जेण्टीना का इन्द्र ११ होते हैं।
- ब्राजील विश्व में सबसे आधिक लॉफी उत्पादित जाता है।
- चिली को विश्व की **तोँबा राजधानी** कहा जाता है,
- एण्डोर विश्व की सबसे लंबी पर्वतमाला है, इसकी संखरो अँची चोटी माउंट एकांकोगुआ है।
- विश्व में सबसे बड़ा भासं निर्मातक देश **अर्जेण्टीना** है।
- दक्षिण अमेरिका का सर्वाधिक ज़रीहत देश **उरुग्वे** है।
- दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा देश → **ब्राजील**

### अफ्रीका

- विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गदाहीप है। → **अफ्रीका**
- यह जिशाल्टर जल संधि कारा घूरोप से अलग होता है,
- अफ्रीका एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिससे होकर विषुवत रेखा, भौंक रेखा, मकर रेखा गुजरती है।
- अफ्रीका की सबसे बड़ी झील **विक्टोरिया** से होकर विषुवत रेखा गुजरती है।
- विक्टोरिया झील से विश्व की सबसे लंबी नदी **नील** निर्माती है,
- वर्तमान में विश्व का सबसे गर्म स्थान गीनलैंड रेंच मृत्युधारी कैलीफोर्निया (USA) हो गया है पहले अल-अजीजिया (लिबिया) था।
- अफ्रीका की छोटी नदी विषुवत रेखा को व निम्पोया नदी मकर को दो बार पार करती है।
- अफ्रीका के उष्ण व्यास के मेदान सबना तथा बीतोबब घास के मेदान वेल्ड कहलाते हैं।
- मिस्र से स्वेज नदी निर्माती है जो भाल सागर को अमृत सागर से जोड़ती है,
- अफ्रीका के कालाहारी मरुस्थल में **शुरुमुर्ग** नामक चिड़िया पाई जाती है।

- उत्तरी अफ्रीका में विश्व का सबसे विशाल गैसोस्थल संदारा भर्जस्थल स्थित है।
- दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग को श्वार्निगर कहा जाता है।
- ॥ ॥ के किम्बरने को दिरों का नगर कहा जाता है।
- स्टेनली जल धपात कांगों नदी पर और विक्टोरिया धपात जाम्बिजी नदी पर है।
- नील नदी का उद्गम स्थाल विक्टोरिया झील है। अस्त्वान बांध नील नदी पर बना है।
- नील नदी पर बसा सबसे बड़ा शैटर काहिरा है।
- मिस्र में इसान "एफैल्लाए" नामलोले हैं।
- मिस्र की नीचा नील नदी से देव नदा जाता है।
- गोल्ड कोस्ट के नाम से धाना को जाना जाता है।
- अफ्रीका को अंध मदाहीप कहा जाता है।
- कांगो देश को घनों का देश कहा जाता है।

सबसे बड़ा  
देश →  
अलजीरिया

Note :- दक्षिणी चुहन अफ्रीका का नवीनतम राष्ट्र है जो UNO का 193वां सदस्य बना है 9 लुबाई 2011 को यह स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आंतित्व में आया इसकी राजधानी जुबा है।

÷ आँस्ट्रेलिया ÷

- उपनाम :-
1. द लैंड ऑफ गोल्ड एलीस
  2. लैंड ऑफ बॉर्स
  3. प्यासी श्रमि का देश

सबसे बड़ा देश  
→ आँस्ट्रेलिया

- यह विश्व का सबसे छोटा भूद्वीप है। यह दक्षिणी गोल्डर्स में स्थित है।
- इसे बीपीप मदाहीप कहा जाता है।
- न्यूजीलैंड के आँस्ट्रेलिया की खोले ओबेल नामान ने 1642 से 1645 तक भी।
- आँस्ट्रेलिया का नाम आँस्ट्रेलिया मेंथु फिल्डर्स ने रखा।
- इस मदाहीप में 22 देश हैं।
- यहां के भूल निवासियों को एकोलिनस कहा जाता है।

- ऑस्ट्रेलिया के न्यूगिनी के बीच रॉरेस जलसंधि है।
- ऑस्ट्रेलिया की सबसे लंबी पर्वत श्रोणी ग्रेट डिवाइडिंग रेंज है जिसकी सर्वोन्तम शिखर कोस्मूस्को है।
- ऑस्ट्रेलिया में थ्रेड पार्क केन्द्र ५२ काम बरने वाले मजदूरों जो जोकारु कहा जाता है।
- ऑस्ट्रेलिया के धास के मैदानों को डाक्यूस कहा जाता है,
- ऑस्ट्रेलिया विश्व में सर्वाधिक बॉक्साइट उत्खनित करने वाला देश है।
- ऑस्ट्रेलिया विश्व में सर्वाधिक सीरा उत्खनित करने वाला देश है।
- नक्त बरने में कुशल पक्षी लागर बर्ड ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है,
- किंवि न्यूजीलैंड का शब्दिय पक्षी है।

### ∴ अंतर्कालीका ∴

- विश्व का पाँचवा सबसे बड़ा महाद्वीप है,
- इस महाद्वीप की ओज फेबियन ब्रेटिंग शोसीन ने 1820 ई० में की
- इसे रेवेत महाद्वीप भी कहा जाता है,
- दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला पहला गोक्ति नर्से निवासी एम्डसन १९११ ई० में पहुँचा
- ऐसे गतिशील महाद्वीप भी कहा जाता है।

### Note

- १९८० गिरीराज सिरोही (छुल-दराहर, उप) दक्षिणी ध्रुव ५२ बरने वाले पहले भारतीय

# + नामों के किनारे बसे विश्व के प्रमुख नगर +

नगर

→ नदी

बगदाद (ईराक) → दाइप्रिस

बलिं (जर्मनी) → स्त्री

पर्थ (आस्ट्रेलिया) → स्वान

आस्वान (फ्रैंस मिस्र) → नील

रोम (इटली) → टाइबर

लॉन्डन (इंग्लैण्ड) → टेम्स

पेरिस (फ्रांस) → सीन

मार्सिया (क्षेत्र) → मोरक्कोवा

खारतुग (सुडान) → नील

आहिरा (मिस्र) → नील

लीबियुल (इंग्लैण्ड) → मर्सी

सिङ्गी (आस्ट्रेलिया) → डालिंग

बेल्हेड

→ डेन्युब

कोलोन (जर्मनी) → राइन

वाशिंगटन → पोटोमेक

विचना (आस्ट्रिया) → डेन्युब

टोकियो (जापान) → अराक्कवा

राय्यन (म्यामार) → रावदी

ओहावा (वनाडा) → सेंट लैरेस

भूयाँक

→ उसन

मैट्रिड (स्पेन) → मैलेनसेय

लिस्बन (पुर्तगाल) → खाँस

पटगाँव (बांग्लादेश) → मैयानी

शिक्कांग शिक्कांगो → शिक्कांगो

Shiv Jeet  
972504909

## विश्व के प्रमुख जल-प्रपात

### जल प्रपात

शैनिल  
भोसेगाहर  
व माडल्फोसेन  
विक्टोरिया  
सुपरलेंड  
ग्रेट कामरुना  
डेल्ला  
गवानी  
जोग (गरसोप्पा)

→ देश	→ अर्जाई
→ वेनेजुएला	→ १७१ मीटर
→ कालि कोरिचा	→ ७३९ मीटर
→ नार्वे	→ ६५५ मी.
→ जिम्बाब्वे व जाम्बिया	→ १०८ मी.
की सीमा पर	
→ न्यूजीलैंड	→ ५८० मी.
→ हुयाना	→ ५८८ मी.
→ नवाड़ा	→ ५५० मी.
→ फ्रांस	→ ४२२ मी.
→ भारत	→ २५५ मी.

→ एचिल जल छपात केरो नदी पर है,  
 → जोग जल छपात वरावती नदी पर है, इसे महात्मा गांधी  
 जल छपात प्रपात भी कहते हैं।

## + विश्व के ऊमुख भौगोलिक उपनाम +

- १ शात पट्टाडियों का नगर → रोम (इटली)
- २ पोप का शहर → रोम
- ३ रक्तवर्ण मादिला → रोम
- ४ प्राचीन विश्व की सागरी → रोम
- ५ ईरानब सिटी (होली सिटी) → रोम
- ६ शुगर ब्राउन ऑफ द वर्ल्ड → अमेरिका
- ७ १००रीलीज का गोती → अमेरिका
- ८ अमेरिकी इमारतों का नगर → अमेरिका (USA)
- ९ पर्ल ऑफ द ओरियन् → सिंगापुर
- १० द्वावाला शहर / गार्डन सिटी → शिकागो
- ११ चीन का शोके → दांगहोनदी (पीलीनदी)
- १२ लैंड ऑफ द गोल्डन प्लीस → ऑस्ट्रेलिया
- १३ लैंड ऑफ कॉमान्ड → आस्ट्रेलिया
- १४ लैंड ऑफ थाउजेन्ट लेक्स → फ़िल्मेंट
- १५ मध्यमारात्री का दूर्भी → नार्वे
- १६ शूग्रधर सागर का छार → मिस्राल्दर
- १७ दीलीलोइ | परित्र कृमि → जेरासालम (इज़राइल)
- १८ नील नदी की देन → मिस्र
- १९ एम्पायर सिटी → अमेरिका
- २० अरब साधर की रानी | ईर्ष ला → कोर्चि (भारत)  
वेनिस
- २१ लेन्टार्ड ऑफ यूरोप → स्लिटजरलैंड
- २२ सूर्योदय का देश → जोपान
- २३ लैंड ऑफ पाठ्यक्रोल्ट → थ्रान
- २४ सफैद द्वितीयों का देश → पाइलैंड
- २५ द्वार द्वितीयों का देश → भार्योस
- २६ लिली का देश → क्लाइ
- २७ ससार की छत → पामीर का पठार
- २८ वेनिस ऑफ द तर्ज़ी → स्टॉकहोम (स्वीडन)

HIV

- २१ कॉकपिट आँफ घूरोप → बोल्जियम  
२० सिरि कॉफ गोल्ड गेट → रेन फ्रांसीसको (USA)  
२१ अंध मदाई → अफ्रीका  
२२ शविनि पेगोड का देश → भारत  
२३ शात लापुओ का नगर → गुंबई (भारत)  
२४ फूर्व का मैनचेरटर → ओसाका (जापान)  
२५ भारत का बर्गीचा → वर्गालुस  
२६ मोतियो का दीप → बहरीन  
२७ एकेत शहर → बेलग्येट (यूरोप-स्लाविया)  
२८ भारत का भराम्बौ का बर्गीचा → केरल  
२९ विश्व की जनत → पेरिस  
३० पाश्चिम का पेरिस → चाइक्लोट  
३१ पवन चोकियो की भूमि → नीदरलैंड  
३२ हिन्द मदासागर का भोती → नीलकंका  
 या फूर्व का भोती  
३३ शुकुमार कुल्हो का देश → जापान

## ० भूकंप ०

- पृथकी की स्तर के नीचे लेटों का जिसमा पा किर होता है। जो से भी शुरू होता है।
- जहाँ से शुकंप की शुरूआत होती है उसे शुकंप केन्द्र कहते हैं।
- जहाँ पर शुकंप पृथकी की स्तर पर पहुँचता है, उसे अभिकेन्द्र कहते हैं।
- शुकंप के अध्ययन को सिस्मॉलॉजी कहते हैं।
- शुकंप का पता लगाने के लिए सिस्मोग्राफ नामक घंटे का प्रयोग किया जाता है।
- शुकंप में तीव्रता मापने के लिए रियोकर स्केल का प्रयोग किया जाता है।
- रियोकर स्केल पर 0-9 तक मापा जा सकता है।
- प्रगति इकाई बढ़ने पर शुकंप 10 गुणा बढ़ता है।
- लेटों के हक्काने से टेक्टोनिज्म बहा जाता है।
- शुकंपीय तरंगें ३ प्रकार में होती हैं।
  - (i) प्राथमिक तरंगें → इनकी गति सबसे ध्यादा होती है।  
P-wave → इनकी गति  $8 \text{ km/sec}$  होती है।  
→ इनकी गति विनाशकारी होती है।
  - (ii) द्वितीय तरंगें → ये कुछ विनाशकारी होती हैं,  
S-wave → इनकी गति  $4 \text{ km/sec}$  होती है।
  - (iii) L-~~की~~ तरंगें → ये सबसे अधिक विनाशकारी होती हैं।  
→ इन्हें Love तरंगें भी कहते हैं।  
→ इनकी खोज H.D. Love ने की।  
→ इनकी गति  $2-3 \text{ km/sec}$  होती है।
- सबसे अधिक शुकंप प्रशान्त महासागरीय पेटी में ६०% आते हैं।
- भाषाव में सबसे अधिक शुकंप आते हैं।
- सुनामी → जो समुद्र के अंदर जो शुकंप आता है। उसे सुनामी कहते हैं।
- हैदराबाद में सुनामी में पता लगाने के लिए सोर्वर खोला गया है।
- L-तरंगें → केवल धरातल के दारा ही चलती हैं।

## ज्वलामुखी

→ ज्वलामुखी भू-पर्यावरण में धोका दरर है, जिससे धोका पृथ्वी का विधान पदार्थ ज्वला, रस्ता, भाष्य, तथा अन्य गंगे बाहर निकलती है।

सक्रिय ज्वला मुखी → इसमें कांकड़ ४५गार होता है, वर्तमान समय में पृथ्वी में सक्रिय ज्वलामुखियों की संख्या ५०० है। इनमें प्रमुख इल्ली का एवं तथा स्ट्राम्बोली है। इनमें प्रमुख इल्ली का एवं तथा स्ट्राम्बोली है। इनमें प्रमुख इल्ली का एवं तथा स्ट्राम्बोली है।

→ स्ट्राम्बोली ज्वलामुखी को भूमध्य सागर का ग्रहण करती है।

प्रसुप्त ज्वलामुखी → जिसमें निकट अतीत में ४५गार नदी हुआ हो लौटा हो सकता है।

शान्त ज्वलामुखी → ऐसा ज्वलामुखी जिसमें एतिहासिक लोले में ४५गार न हुआ हो तथा भविष्य में ४५गार होने की संश्लोचना भी न हो। जैसे - पोपा (ज्यामांर), किलीमजोरो (अफगान) आदि।

→ प्रशान्त महासागर के परिमेशनों को आगे बढ़ने वाले भी बहते हैं।

→ सबसे अधिक सक्रिय ज्वलामुखी एशिया एवं अमेरिका नदाङ्गीय के तटों पर स्थित है,

→ आस्ट्रेलिया मदाङ्गीय में एक भी ज्वलामुखी नहीं है।

→ विश्व का सबसे अचार्य ज्वला मुखी कोरावेक्सी (१९६३<sup>वर्षीय</sup>) इक्काजोर में है,

→ विश्व की सबसे अचार्य कर सक्रिय ज्वलामुखी ओजस डेल साल्तो, १०११८ पर्वतमाला में अजेंटीना-चिक्की देश की सीमा पर स्थित है,

→ बैरन द्वीप भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वलामुखी है। यह अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित है।

→ भारत का दूसरा ज्वलामुखी नारकोड़म ज्वलामुखी है।

## पर्वत

→ उत्पत्ति के अनुसार पर्वत चार ध्कार के होते हैं।

1 ब्लॉक पर्वत → जब घटानों में स्थित भूशंक के कारण मध्यभाग नीचे धस्त होता है तो तथा आस-पास के भाग कुन्हे उठे उत्तीत होते हैं तो ब्लॉक पर्वत बदलते हैं। बीच में धंसे भाग को रिफ्ट घारी कहते हैं।

SHIV JEET

उदाहरण - वॉस्जेस (फास) , सल्टरेंज (प्राइस्टोन)

Note → विश्व की सबसे लंबी रिफ्ट घारी जॉड्ज नदी में घारी है।

2 अवशिष्ट पर्वत → ये पर्वत घटानों के अपरद्वय के अन्तर्वर्ती निर्मित होते हैं। जैसे → विन्ध्याचल, शतपुष्टि, नीनागिरी, पारसानाथ, राजगढ़ की पहाड़िया (शारत), सीयारा (स्पेन)।

3 संगमित पर्वत → भू-पर्दल पर मिट्टी, बालू, रुक्मि, पत्थर, लोका के एक स्थान पर जमा होते रहने के कारण बनने का लोका पर्वत। ऐसीस्टोन में बनने वाले बालू के रूप इसी शैली में आते हैं।

4 वालित पर्वत → ये छूटकी में आते रिक शाक्तियों से ध्वातल की घटानों के मुड़ जाने से बनते हैं। ये भृहस्पति पर्वत हैं जिन पर अपनातियाँ व अभिनातियों होती हैं, जैसे → हिमालय, शाल्पस, धूराल, रॉकीज, एण्डीज आदि।

→ हिमालय से पहले ट्रेविस सागर को भूशी गाने जाता है।

→ भारत के अरावली पर्वत विश्व के सबसे कुराने वालित पर्वतों में मिला जाता है, इसकी रसों की जोड़ी गुरुशिखर गुरुशिखर 1722 मी। भाऊर आखू में स्थित है।

## जलमंडल

सम्पूर्ण पृथको के  $\frac{3}{4}$ , भाग लगभग 71% पर जलमंडल आ रिस्तार है।  
 → पृथकी पर अस्थित जल की कुल मात्रा का 97.5% जल मदासागरों में है,  
 जो खारा है, जल राशि का मात्र 2.5% जल ही स्वच्छ वे भी हैं।

मदासागर- जल मंडल का वह बड़ा भाग जिसकी कोई नियन्त्रित स्थिति न हो, मदासागर कहलाता है,

→ विश्व का सबसे बड़ा व गहरा मदासागर प्रशांत प्रशांत मदासागर  
 → स्थल की क्षेत्रीय तथा मदासागरों की गहराई को उच्चामितीय वक्र  
 दरारा प्रदर्शित किया जाता है।

समुद्र → जल मंडल का वह बड़ा भाग, जो तीन तरफ जल से घिरा हो और एक तरफ मदासागर में मिला हो समुद्र कहलाता है।

खाँड़ी- शमुद्र का स्थलीय भाग में ज्वेश कर जाने पर जो जल को फेंज लगता है, उसे खाँड़ी कहते हैं।

Bay- इसके दो छिनारे स्पाल से घिरे होते हैं एक तरफ दाढ़ुओं का रथ होता है, दूसरी तरफ का मुदाना समुद्र में मिला होता है।

→ सामान्यतया मदासागरीय जल का तापमान भगवान्न 5°C - 33°C के बीच रहता है।

→ विश्व का सबसे गहरा गर्त मेरियाना गर्त 11,022 मीटर है जो प्रशांत मदासागर में स्थित है।

→ तुम्हीं की बाबूसील मीलवता सबसे डायेक्ट है 330%, है।

→ सर्वांग की सबसे बड़ी प्रवाल-भैति ग्रेट ब्रिटेन रिक (आस्ट्रेलिया) में है।

→ राक्षों कड़ी तरीग सीमावोले देश क्रमशः → फ्रान्स, इण्डोनेशिया,

→ राक्षों कड़े, जल क्षेत्रफल वसि देश क्रमशः → फ्रान्स, २९८, USA  
 भारत

→ अटलांटिक मदासागर की आकृति अंग्रेजी के क्षेत्र "F" से गिलती-खुलती है।

→ इन्द्रमदासागर → यह एक ऊर्ध्वमदासागर है

→ यह एक तरफ से प्रशांत मदासागर से छुड़ा है दूसरी तरफ अटलांटिक मदासागर से छुड़ा है।

→ इस महासागर का सबसे बड़ा द्वीप मेंगास्कर है।

→ सार्वजीवी समाज को सर्वधृष्टम् रूपेन नाविकों ने देखा।

### ⇒ ज्वार-भाटा ⇒

→ चन्द्रमा और सूर्य के आकर्षण शक्तियों के कारण सागरीय जल के भार उठने तथा गिरने को ज्वार-भाटा कहा जाता है।

→ सागरीय जल के भार उठकर ध्वनि बढ़ने को ज्वार तथा सागरीय जल जो नीचे गिरकर बीचे लौटने को भाटा कहते हैं।

→ ज्वार-भाटा के लिए उत्तरदायी कारक + (i) सूर्य का उत्सर्वीय बल  
(ii) चन्द्रमा का उत्सर्वीय बल (iii) पृथकी का अपकेन्द्रीय बल

→ चन्द्रमा का ज्वार उत्पादक बल सूर्य की धूपेजा ही युना होता है,

→ पृथकी पर उत्तरदायी वर्ष 12 घण्टे 26 मिनट के बाद ज्वार तथा भाटा के 6 घण्टे 13 मिनट बाद आता है।

→ महासागरीय जल मी सतह का दैनिक तापांतर लगभग  $1^{\circ}\text{C}$  होता है।

### ⇒ वायुगड़ल ⇒

→ पृथकी को चारों ओर से चेरे हुए बाहु के विस्तृत फैलाव को वायुगड़ल कहा जाता है।

→ बाहु मी इसी प्राप्त के अध्ययन को वायुविज्ञान Aerology कहते हैं।

→ बाहु की नीचली परत के अध्ययन को तट्टुविज्ञान Metro  
Metacology कहते हैं।

→ वायुगड़ल में विशिष्ट गैसों का सिनेन इस प्रकार है-

→ नाइट्रोजन - 78.07%.

→ ऑक्सीजन - 20.93%.

→ फार्बन डाइऑक्साइड - 0.03%.

→ अर्थन - 0.93%

↓ नाइट्रोजन → इस गैस की ऊर्तिशत मात्रा राक्षस अधिक है।

नाइट्रोजन के कारण ही वायुदाव, वपकों मी राक्षी तथा प्रज्ञा परवर्तन का भवास होता है। नाइट्रोजन पस्तुओं से तेजी से जलने से क्षती है। नाइट्रोजन से पेट-पौधों में प्रोटीन का निर्माण होता है। पर 128 Km की ऊँचाई तक पैली है।

ओंकर्सीजन → यह अन्य पदार्थों के साथ मिलकर जलने को बाधा करती है। ओंकर्सीजन के क्षमतावाले में इस ईंधन नहीं जलते। यह ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। यह वायुमण्डल में 64 Km दूरी तक है वर्तुँ 16 Km से कपरजाइर दूरी की मात्रा भी हो जाती है।

मार्बन डेश्ट्रोक्साइट → सबसे आरी गैस होने के बारण यह सबसे नीचली वरत में मिलती है। फिर भी इसका विस्तार 32 Km तक त्रिचारी में केवल है। यह काँच घर और पौधा घर Green House क्षमतावाले के लिए उत्तरदायी है।

ओजोन → यह वायुमण्डल में अधिक क्षारीयों पर ही व्यवहार मात्रा में मिलती है। यह पृथकी की रूर्म से ज्ञाने काली पराक्रमांकी बिहिरण Ultraviolet Radiations से बचा जाती है। ओजोन गैस की मात्रा में कमी होने से रूर्म की पराक्रमांकी बिहिरण आधिक मात्रा में पृथकी पर पहुँच कर केसर और श्वासक बिमारियों की घटना सकती है।

जलवाय: - वायुमण्डल में जल वायप राबसे अधिक परिवर्तनशील तथा असमान वितरण होती रहती है। वायुमण्डल के संपूर्ण का 90%, 8 Km की त्रिचारी तक सीमित है, इसके इत्तेवर होने के कारण बोदल, वर्षा, बोहरा, झोस, तुषार, हिम आदि का निर्माण होता है। यह पृथकी पर तापमान का उच्चने में सहायता है।

→ आकाश का नीता रंग धूल-बोल की उपरिवाति के कारण ही (दिखाई पड़ता है) पृथकी के ताप को बनाए रखने के लिए  $CO_2$  एवं जलवाय उत्तरदायी है।

## वायुमंडल की सर्वेना

1. चौथे मंडल → यह वायुमंडल की सबसे नीचती परत है।  
 → ध्रुवों से इसकी ऊँचाई 8 Km तथा विषुवत रेखा पर लगभग 18 Km है।  
 → 165 मी॰ की ऊँचाई पर  $1^{\circ}\text{C}$  तापमान की छोटी होती है।  
 तथा 1 Km की ऊँचाई पर  $6.4^{\circ}\text{C}$  की छोटी होती है।  
 → सभी मुख्य वायुमंडलीय घटनाएँ जैसे बादल, झाँसी रेखा वर्षा इसी मंडल में होती हैं।  
 → इसे "सर्वद्वन्द्व मंडल" एवं "अधो मंडल" भी कहते हैं।

2. समताप मंडल → समताप मंडल की ऊँचाई 18 से 72 Km की है।  
 → इसमें तापमान सामान रहता है।  
 → समताप मंडल की ऊँचाई ध्रुवों पर सबसे अधिक होती है,  
 → इसमें गौसाग संबंधी घटनाएँ नहीं होती।  
 → वायुयान इसी मंडल में होते हैं।

3. ओजोन मंडल → धरातल से 72 से 60 Km के मध्य ओजोन मंडल है।  
 → इस मंडल में ओजोन गैस की परत पाई जाती है जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किणों को उनको लित भर भेती है। इसलिए इसे पृथ्वी का ~~शुद्ध~~ अवच बना जाता है।  
 → ओजोन परत को नष्ट करने वाली गैस CFC Chloro-Fluro-Carbon है जो फ्रीज, एयर कंडीशनर आदि से निर्भवती है।  
 → ओजोन परत को नुकसान CFC में उत्पन्न पूर्ण फ्लोरीन के कारण होती है।  
 → ओजोन परत की मोराई नापने में डब्बल इकाई का उपयोग किया जाता है।  
 → इस मंडल में ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान बढ़ता है। यह एक रिलोमीटर की शूल्हि से  $5^{\circ}\text{C}$  तापमान बढ़ता है।

आपनभंडल → इसकी ऊँचाई 60 Km से 640 Km तक होती है ,  
→ यह भाग जग बायुदावतथा पराक्रमेंनी जिनो द्वारा  
आपनी छत होता है ।

→ इस भंडल में रेडियो टरणों होती हैं जिसके अलखरूप  
पूर्वी पर रेडियो, रेलविजन, टोलिफोन एवं २३८  
आदि की सुविधा प्राप्त होती है ।  
→ संचार उपकरण इसी भंडल में उपस्थित हैं ,

५ भंडल बाह्यमंडल → 640 Km से ऊपर के भाग को बाह्यमंडल  
जाता है  
→ इस मंडल गो दृष्टिभजन एवं दीलियम ऐस की  
प्रधानता होती है ,

### ६ सूर्यताप

- सूर्य से पूर्वी तक पहुँचने वाली सौर विकिरण ऊर्जा को सूर्यताप  
कहते हैं ।
- पूर्ण मेधाच्छात्र के समय सूर्य के प्रकाश में अमी ना भूल करने  
परावर्तन होता है न, जिसको घणा ।
- पूर्वी सौर्यिक विकिरण द्वारा प्रसारित ऊर्जा का ५१% भाग प्राप्त  
करती है । सौर्यिक ऊर्जा का लेबल १५% भाग ही ज्ञान कर  
पाता है ।

वायुमंडल गर्म पाठ्यां निम्न विधियों से होता है-

विकिरण → किस पदार्थ को उष्मा तरणों के संचार द्वारा सीधे गर्म  
होने को विकिरण कहते हैं । उदाहरणतया → सूर्य से प्राप्त  
होने वाली किरणों से पूर्वी तथा उसका वायुमंडल गर्म  
होते हैं ।

संयोजन → जब असमन ताप वाली वे वस्तुएँ एक-दूसरे के संयुक्त में  
आती हैं तो आधिक तापमान वाली वस्तु से कम तापमान  
की वाली वस्तु की ओर उष्मा प्रवाहित होती है ।

३ संवहन :- किसी गैसीय ध्वनि तरल पदार्थ के एक भाग से इसे भाग की ओर उसके अणुओं द्वारा उष्मा के संग्रह कहते हैं।

४ अभिवहन :- इस प्रक्रिया में उष्मा को धृतिज दिशा में स्थानांश्चित्त होता है। गर्म वायु-राशियाँ जब छण्डे क्लोक में जाती हैं तो उसे गर्म कर देती हैं।

Note :- वायुमंडलीय दाब से बरोमीटर से मापा जाता है।  
→ वायुमंडलीय दाब की इकाई बार (Bar) है।

विश्व में प्रमुख फसलें व उत्पादक देश

<u>फसल</u>	<u>प्रथम स्थान</u>	<u>द्वितीय स्थान</u>	<u>तृतीय स्थान</u>
गेहूँ	→ चीन	→ भारत	→ U.S.A
चावल	→ भारत	→ चीन	→ इंडोनेशिया
मक्का	→ U.S.A	→ चीन	→ ब्राजील
कपास	→ चीन	→ भारत	→ U.S.A
चांग	→ चीन	→ भारत	→ केन्या
गन्ना	→ ब्राजील	→ इंडोनेशिया	→ चीन
रबड़	→ थाईलैंड	→ कियतनबाम	→ मैलेशिया
कट्टवा	→ ब्राजील		→ कंबोडिया

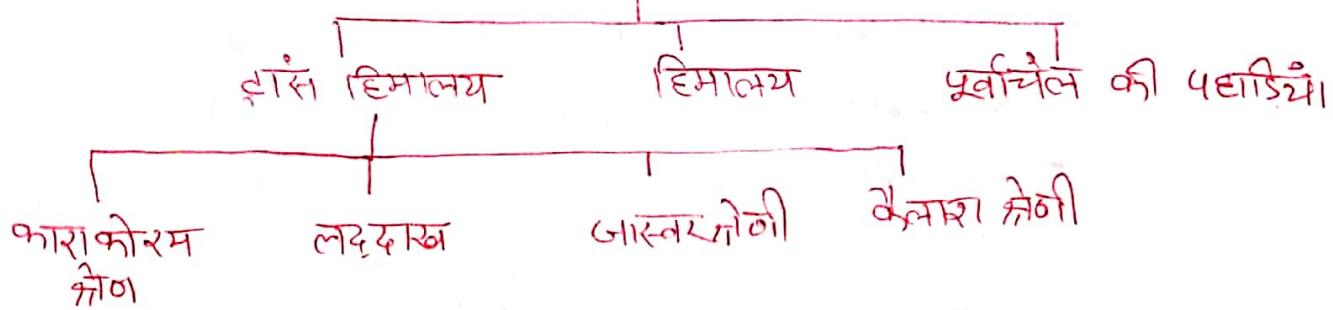
## भारत की मुख्य नदी वारी परियोजना

- १ भागड़ा नांगल परियोजना → सतलज नदी  
    ↳ विस्तार + पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, राजस्थान
- २ व्यास नदी परियोजना → व्यास नदी  
    ↳ राजस्थान पंजाब, हरियाणा
- ३ द्विरकुंड बांध परियोजना → भद्रानदी (शहिस)
- ४ नागार्जुन सागर बांध → कृष्णा नदी (आंध्र प्रदेश)
- ५ फरक्का परियोजना → आर्बीरचीनी (गण्ड)
- पाल्टीगढ़ बंगलादेश
- ६ कन्द्रिया गांधी नदी परियोजना → सतलज नदी  
    ↳ राजस्थान, पंजाब, हरियाणा
- ७ उकई परियोजना → ताप्ती नदी  
    ↳ गुजरात
- ८ रिहन्द परियोजना - रिहन्द नदी  
    ↳ उत्तर प्रदेश
- ९ दुर्ग वेराज → दमोहर नदी  
    ↳ पंजाब
- १० इहरी बांध परियोजना → भागीरथी नदी (उत्तराखण्ड)
- ११ घारपुश्ता परियोजना → घारपुश्ता नदी (कर्नाटक)
- १२ श्रीमा परियोजना → पवना नदी (महाराष्ट्र)
- १३ ज्यायकवाड़ी परियोजना → गोदावरी नदी (महाराष्ट्र)
- १४ रघीत सागर बांध → रावी नदी (पंजाब)
- १५ सतलज परियोजना → चिनाब नदी (अमृत-लक्ष्मी)
- १६ राणा प्रताप सागर बांध → चम्बल नदी (राजस्थान)
- १७ अक्षयकुमार झवांश सागर परियोजना → चम्बल नदी (राजस्थान)
- १८ सरहार सरोकर बांध → नर्मदा नदी  
    ↳ गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र

## भारत का भौतिक स्वरूप

- देश के कुल क्षेत्रफल के 10.7% भाग उच्च पर्वत-स्तंभियाँ हैं।
- देश के 43% भूभाग पर विस्तृत भैदान का क्षेत्र।
- भौतिक स्वरूप तथा धरमल के स्वरूप के अनुसार भारत को पांच भागों में बांटा गया है।
- ~~पांच~~ ① उत्तरी पर्वतीय भैदान
  - ① विशाल भैदान
  - ② प्राप्ति-पठार
  - ③ गङ्गास्थलीय छदेश
  - ④ समुद्र तटीय भैदान
- शु-वैद्यनिकों के मतानुसार जहाँ आज हिमालय पहाड़ हैं वहाँ रियिस नामक उच्चला समुद्र था।
- हिमालय की उत्तरी के सबंध में आधुनिक सिद्धांत लेट विवरनी है।
- ऊर ये पर्वत ज्ञेयियों को निम्नतरीमें से नारों जा सकता है।
- 1. हिमालय पर्वत ज्ञेयी → यह जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्व में अस्त्रांगन छदेश तक 2500 कि में फैली है।

### उत्तर में स्थित उपर्वतीय छदेश



- 1. दासं हिमालय → हिमालय से परे का ज्ञेय जिसका निर्माण रेपिस मदासागर के भवसादों से हुआ है।
- यह हिमालय से तुरना ज्ञेय है, जिसकी रखो ज स्वेश हेडिन झारा की गई।
- इसका नाम दासं हिमालय कोलंबिया लिपिनामेद गजेरिपर धारा दिया गया।

i) काश कोरम जोनी → भारत की सबसे ऊँची चोटी K2 (गाँड़विन आँखी) 8611 मीटर इसी जोनी में स्थित है,

→ यह विश्व की दूसरी सबसे बड़ी चोटी है,

→ चीन के लोग इसे "कोगिर" भवते हैं,

ii) लद्दाख → इसे विश्व का ठण्डा भूस्थल कहा जाता है।

→ दोनों फल्म के शाधार पर यह भारत का सबसे बड़ा लोनसश्चा देश है।

→ भारत में अबसे कम वर्षा वाला स्थान लेट वे इसें है, जैसलमेर है,

→ लेट भारत का सबसे ऊँचा विमानपत्तन (वर्किंग) है,

iii) कैलाश जोनी → कैलाश पर्वतमाला कश्मीर से लेकर शूटान तक फैली हुई है,

→ इसके पश्चिम में मानसरोवर तथा दक्षिण में रात्सताल झील है,

→ यहाँ से यह महत्वपूर्ण नदियाँ गंदमुख, सिन्धु, सतलुज आदि।

iv) हुड़क हिमालय → इसे ही हिमाण्डी, मुठ्य हिमालय या बड़ी ला हिमालय कहा जाता है,

→ विश्व की सबसे ऊँची चोटी गाँड़ट एवरेसर या सगरमाथा 8850मी. इसी जोनी में स्थित है,

→ भारत में हिमालय की सबसे ऊँची चोटी जंगनजगां सिक्किम में स्थित है,

→ नगां पर्वत, नदाईवी व नामचाबरवा इसके महत्वपूर्ण शिखर हैं।

लघु हिमालय → पीरपंजाल, थोलाधार, मसूरी, नगरिङ्गा एवं नवाशोरत अंडी इसी में स्थित है,

→ यहाँ भूमध्यस्थ चरागाह है जिसे कश्मीर में भर्ग तथा अंतराखण्ड से लुग्याल या प्यार कहा जाता है,

→

- शिवालिक :- यह हिमालय का नवीनतम भाग है,  
→ यह पंजाब के पोरवार बेसिन से प्रारंभ होकर  
जूर्म में कोसी नदी तक है।  
→ शिवालिक में मध्य हिमालय से छालग तख्ते तकी  
पाठ्यों को पाश्चिम में "तुन" तथा जूर्म में  
"धार" कहते हैं। ऐसे दरिकार।  
→ शिवालिक के नीचले भाग को तराई कहते हैं,

पूर्वाञ्चल की पठाड़ियाँ → में भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में फैली हैं,  
→ नाहां पठाड़ियाँ, मिलो पठाड़ियाँ पूर्वाञ्चल की  
मुख्य पठाड़ियाँ हैं।

Shiv JEET

## प्रमुख देशों की राजधानी | संसद | भूक्ता

<u>देश</u>	→ <u>राजधानी</u>	→ <u>भूता</u>	→ <u>संसद</u>
नेपाल	→ काठमाडू	→ रूपमा	→ राष्ट्रीय पर्यायन
भीन	→ बीघिंग	→ घुआन	→ नेशनल पीपुल्स कांग्रेस
स्ला	→ मोस्को	→ रूबल	→ इयुमा
मफ्गा निस्तान	→ फावुल	→ अफगानी	→ शेरा
वीटलर्लैंड	→ वर्न	→ फ्रैंक	→ फैडरल असेक्वेली
गालदीव	→ माले	→ राफिया	→ मजलिस
ईरान	→ तेहराम	→ ईरानियन रिपब्लि	→ मजलिस-ए-अम्मा
कुवैत	→ कुवैत सिटी	→ दिनार	→ जयर
जापान	→ टोक्यो	→ येन	→ कांग्रेस
ममेरिका	→ वाशिंग्टन डी.सी.	→ डॉलर	→ खुरब
मार्गोलिया	→ उलानबतोर	→ तुगारिक	→ खुन्द रस्टेंग
जर्मनी	→ बर्लिन	→ इम्रशा मार्क	→ सर्द
भारत	→ नई दिल्ली	→ रूपमा	→ जातिय संसद
बाहंलादेश	→ ढाका	→ टुका	→ दिवान
मलेशिया	→ ज्वालंदुर	→ रिंग्गिट	→ निगराउ
डेनमार्क	→ कोपेन हेगन	→ क्रोन	→ दौलकेटिंग
आगरलैंड	→ डब्लिन	→ औरो	→ डेल आपरेन
नार्वे	→ थ्रैस्लो	→ ओना	→ रोहिंग
ताइवान	→ ताइपे	→ डॉलर	→ गुजान   घुआन
वर्जिनिया	→ जेसरसलम	→ न्यूसीलैं	→ ने रेट
पारिस्तान	→ इस्लामाबाद	→ रूपमा	→ बनेश्वन्त
फ्रांस	→ पेरिस	→ फ्रैंक	→ ईसेन्ट्रली
अफ़्रेंलिया	→ केनकरा	→ डॉलर	→ नेशनल अरेकेली
स्लीडन	→ रॉकहोम	→ क्रोना	→ पारलियामेंट
पोलैंड	→ वारसा	→ ज्लोषि	→ रिस्कडोग
स्पेन	→ मेड्रिड	→ रूबल	→ सोमीन

ब्यूजीलेड	→ बेलिंगटन	→ डॉमर
फिल्मी	→ दुवा	→ डॉलर
आरट्रियो	→ विगना	→ शिल्हा
त्रिटेन	→ बैंडन	→ पोड़
माल्टा	→ वालेटा	→ गुरो
बोल्जियम	→ बुसल्टा	→ गुरो
बोलीले	→ ब्राजीलिया	→ बिल्डर रिस्ल
चिक्की	→ सेंटगाणो	→ पीसो
क्रैक्कोडोर	→ क्विटो	→ सुफे
अर्जिंहीना	→ ड्यूनस थालरस	→ अर्जेटिनो
फ्लाइ	→ ओटवा	→ डॉमर
प्रूफ्ला	→ एवाना	→ पीसो
मैंकस्तिको	→ मौक्सिमो सिरी	→ पीसो
मारिसस	→ पार्ट्युईस	→ रूपया
सेशेल्स	→ विक्टोरिया	→ रूपया
दाक्षिण थाफ्फीका	→ प्रिटोरिया	→ रुपै

मिल जेट

९८२९५०५९०९

THANKS

PLZZ SHARE

IT.

URS :- SHIV JEE T

97295-04909